Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 132
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
गुरूवार,11 दिसम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र 19 से, अनुपूरक बजट पेश करेगी योगी सरकार | 4 वदीर्धारी तानाशाहों की बदनाम परम्परा | 5 कृतिका कामरा ने कंफर्म किया रिलेशनशिप! इस हैंडसम हंक को डेट कर

सीएम योगी की सीख

नशे से बचकर ही खुद और देश के भविष्य को बचा पाएंगे युवा

शार्ट कट से नहीं मिलेगी सफलता

गोरखपुर : सीएम योगी ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम वर्क का महत्व समझाते हुए कहा कि यह केवल एक गेम में नहीं बल्कि पूरी जनरेशन में उपयोगी होता है। हमें अपने आप को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से, टीम वर्क से जोड़ना पड़ेगा। कहा कि यह भी याद रखना होगा, शॉर्टकट का रास्ता कभी जीवन में सफलता नहीं प्रदान कर सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां सामने हैं। एक ड्रग्स का नशा और दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों नशों से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे। सीएम योगी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। एक शिक्षक

संस्थाओं और मेधावियों को किया गया पुरस्कृत

और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर न दें। मस्तिष्क को कुंद कर देगा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्टफोन पर युवाओं का अत्यधिक समय खर्च हो रहा है, इसको कम करना होगा। उन्होंने युवाओं को समझाया, हालांकि एकाएक यह कर पाना कठिन होगा, इसलिए धीरे-धीरे कम करिए। आवश्यक हो तभी आधा या एक घंटा, तक ही आप मोबाइल फोन का इस्तेमाल करिए। समय तय करिए कि मुझे जब आवश्यक बात करनी है तभी बात करूंगा, अनावश्यक नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग आपकी आंख की साइट को प्रभावित करेगा। मस्तिष्क को कुंद कर देगा, बुद्धि, विवेक और शारीरिक क्षमता को भी यह पूरी तरह कमजोर कर देगा। इसलिए स्मार्टफोन से जितना बच सकते हैं, बचने का प्रयास करना चाहिए। तकनीक से अपने आप ही जुड़ जाएंगे रोजगार के नए अवसर समय और तकनीक के साथ चलते हुए भविष्य की चुनैतियों के लिए खुद को तैयार करने की सीख देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। हममें से कोई व्यक्ति उससे अपने आप को अलग नहीं कर सकता।

पीएम मोदी से मिले माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला

भारत को बताया डाटा सेंटर का हब, निवेश को लेकर चर्चा

नई दिल्ली। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने बुधवार को कहा कि वह भारत में उनकी कंपनी की ओर से स्थापित की जा रही डेटा सेंटर क्षमता को लेकर उत्साहित हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ कंपनी की निवेश योजना पर चर्चा की है। नडेला ने देश के कृत्रिम मेधा (एआई)-प्रधान भविष्य के लिए बुनियादी ढांचे और संप्रभु क्षमताओं के निर्माण में मदद करने के लिए 2030 तक 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की है जो पिछले दो महीनों में देश में तीसरा बड़ा एआई-संचालित निवेश है। माइक्रोसॉफ्ट के यहां एक कार्यक्रम में नाडेला ने कहा हम डेटा सेंटर की बढ़ती क्षमता को लेकर बेहद उत्साहित हैं। पुणे, चेन्नई और मुंबई में हमारे पास पहले से ही सुविधाएं मौजूद हैं। हैदराबाद स्थित हमारे इंडिया साउथ सेंट्रल क्लाउड रीजन को लेकर भी हम बेहद उत्सुक हैं जो अगले साल शुरू होने वाला है। हैदराबाद स्थित माइक्रोसॉफ्ट के इंडिया साउथ सेंट्रल क्लाउड रीजन के 2026 मध्य में चालू होने की उम्मीद है। नडेला ने कहा, हमने जो निवेश किया है, उससे हम बेहद उत्साहित हैं। मुझे कल (मंगलवार) प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का मौका मिला और निवेश को लेकर हमारी उत्सुकता पर चर्चा की।

सार संक्षेप

बचपन में यौन हिंसा की शिकार हुईं 100 करोड़ से ज्यादा महिलाएं

नई दिल्ली। द लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित अनुमानों के अनुसार 2023 में दुनिया भर में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र की एक अरब से अधिक महिलाओं ने बचपन में यौन हिंसा झेली और लगभग 60.8 करोड़ महिलाएं अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार रहीं। उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा और यौन हिंसा दोनों की सबसे अधिक दर पाई गई। शोधकताओं ने कहा कि इन क्षेत्रों में हिंसा से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव एचआईवी और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों की उच्च दर के कारण और भी गंभीर हो जाते हैं। शोधकताओं के अनुसार भारत में अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार महिलाओं की दर 23 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अनुमान है कि 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग की 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं और लगभग 13 प्रतिशत पुरुषों ने बचपन में यौन हिंसा झेली। शोधकताओं ने ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) शोध 2023 के आंकड़ों का विश्लेषण कियाा।

पीएम मोदी ने राजगोपालाचारी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी सी. राजगोपालाचारी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हें 20वीं सदी के सबसे प्रमुख विचारकों में से एक बताया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक, बुद्धिजीवी, राजनेता - जब हम सी. राजगोपालाचारी को याद करते हैं तो यही शब्द जेहन में आते हैं। उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। वह 20वीं सदी के उन तेजस्वी विचारकों में शामिल रहे, जो मानवीय मूल्यों और गरिमा को सर्वोपरि मानते थे। राष्ट्र उनके अविस्मरणीय योगदानों को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता है।

मोदी ने राजगोपालाचारी की युवावस्था की एक तस्वीर, कैबिनेट मंत्री के तौर पर उनकी नियुक्ति संबंधी अधिसूचना, 1920 के दशक के स्वयंसेवकों के साथ ली गई एक तस्वीर और यंग इंडिया के 1922 संस्करण की प्रति भी साझा की, जिसे महात्मा गांधी के जेल में रहने के दौरान उन्होंने संपादित किया था।

राहुल गांधी ने बीच में टोका, भड़क गए अमित शाह, बोले

संसद आपकी मर्जी के मुताबिक नहीं चलेगी

नई दिल्ली। गांधी ने कहा कि मैं आपको मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस करने की चुनौती देता हूं। शाह ने तुरंत जवाब देते हुए कहा कि वह (राहुल गांधी) यह तय नहीं कर सकते कि मैं क्या बोलूंगा, उन्हें धैर्य रखना सीखना होगा। मैं अपने भाषण का क्रम तय करूंगा, मैं तय करूंगा कि क्या बोलना है।

बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही में उस समय और भी नाटकीय मोड़ आ गया जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण को बीच में रोककर कथित वोट चोरी के मुद्दे पर उनसे बहस करने की चुनौती दी। अमित शाह और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच तीखी बहस हुई। यह झड़प तब हुई जब लोकसभा में चुनावी सुधारों पर चर्चा चल रही थी। लोकसभा में बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि विपक्ष विशेष गहन संशोधन विधेयक (एसआईआर) को लेकर चिंतित है क्योंकि इससे उनके लिए वोट देने वाले अवैध प्रवासियों के नाम हटा दिए जाएंगे। हालांकि, तनाव तब बढ़ गया जब गांधी ने शाह को बीच में रोककर कथित ₹वोट चोरी₹ के अपने पसंदीदा मुद्दे पर उनसे बहस करने की चुनौती दी। गांधी ने कहा कि मैं आपको मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस करने की चुनौती देता हूं। शाह ने तुरंत जवाब देते हुए कहा कि वह (राहुल गांधी) यह तय नहीं कर सकते कि मैं क्या बोलूंगा, उन्हें धैर्य रखना सीखना होगा। मैं अपने भाषण का क्रम तय करूंगा, मैं तय करूंगा कि क्या बोलना है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री शाह के चुनावी सुधारों पर दिए जा रहे भाषण में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि चलिए मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस करते हैं। अमित शाह जी, मैं आपको तीन विधानसभा सीटों पर बहस करने की चुनौती देता हूँ। गृह मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि संसद आपकी मर्जी के मुताबिक नहीं चलेगी। मैं अपने भाषण का क्रम खुद तय करूँगा। इस साल की शुरूआत में, गांधी ने तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कीं जिनमें उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के साथ मिलीभगत करके मतदान में धांधली की है। अपनी तीनों प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में कथित मतदान धांधली के उदाहरण दिए। गांधी के हस्तक्षेप का शाह पर कोई खास असर नहीं पड़ा और उन्होंने कांग्रेस पर अपना हमला और भी तीखा कर दिया। गृह मंत्री ने कहा कि गांधी का हाइड्रोजन बम सिर्फ 'वोट चोरी का माहौल बनाने के लिए था। शाह ने दावा किया कि कुछ परिवार पीढ़ियों से वोट चोर हैं, जो जाहिर तौर पर नेहरू-गांधी परिवार की ओर इशारा था। शाह ने कहा कि अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में कोई सुधार नहीं हुआ है और उसे सुधारने की जरूरत है। तो फिर 'एसआईआर' क्या है? यह मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। जब हम यह प्रक्रिया कर रहे हैं, तब भी वे इसका विरोध कर रहे हैं... आपकी हार निश्चित है; मतदाता सूची का इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा को कभी सत्ता-विरोधी लहर का सामना नहीं करना पड़ता। सत्ता-विरोधी लहर केवल उन्हीं के खिलाफ होती है जो जनहित के खिलाफ काम करते हैं।

राहुल की विदेश यात्रा पर बीजेपी ने खड़े किए सवाल, तो भड़कीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी के प्रस्तावित जर्मनी दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा

सवाल खड़े किए जाने के बाद बुधवार को पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना आधा कामकाजी समय विदेश में बिताते हैं तो फिर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी का दौरा करेंगे, जहां वह भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के साथ ही जर्मन सरकार के कुछ मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। भाजपा द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राहुल गांधी की इस यात्रा पर सवाल खड़े करने पर प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, मोदी जी अपना लगभग आधा कामकाजी समय देश से बाहर बिताते हैं तो वे (भाजपा) नेता प्रतिपक्ष की यात्रा पर सवाल क्यों उठा रहे हैं?

इससे पहले, भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर पोस्ट किया, एक बार फिर विदेश नायक वही कर रहे हैं जो वह सबसे अच्छा करते हैं। विदेश दौरे पर जा रहे हैं। संसद 19 दिसंबर तक चलेगी, लेकिन खबरों के मुताबिक राहुल गांधी 15-20 दिसंबर तक जर्मनी का दौरा करेंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने एलओपी यानी लीडर ऑफ पर्यटन हैं।

राहुल का बीजेपी पर तीखा हमला

चुनाव आयोग को वोट चोरी का हथियार बना रही मोदी सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्वाचन आयोग को वोट चोरी करने का हथियार बना रही है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत की जनता ये तीन बहुत जरूरी और सीधे सवाल पूछ रही है। प्रधान न्यायाधीश को निर्वाचन आयोग से संबंधित चयन समिति से क्यों हटाया? 2024 चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग को लगभग पूरी कानूनी सुरक्षा क्यों दी? सीसीटीवी फुटेज 45 दिन में नष्ट करने की इतनी जल्दबाजी क्यों उन्होंने आरोप लगाया कि जवाब एक ही है कि निर्वाचन आयोग को वोट चोरी करने का औजार बनाया जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी वोट चोरी के कृत्य को अंजाम देकर आइडिया ऑफ

इंडिया (भारत की अवधारणा) नष्ट कर रही है। उन्होंने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान 2023 के निर्वाचन कानून का उल्लेख करते हुए चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि कांग्रेस की सरकार बनने पर इस कानून में पूर्वव्यापी प्रभाव से संशोधन किया जाएगा तथा चुनाव आयुक्तों को कठघरे में लिया जाएगा। उनका यह भी कहना था कि 2023 के इस कानून को बदलने की जरूरत है क्योंकि यह निर्वाचन आयुक्तों को यह ताकत देता है कि वे जो चाहें करें। उन्होंने कहा था कि इसकी चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर रखा गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा-शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के तहत तीन सदस्यीय चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।

सीबीआई ने एचपीजेड टोकेन निवेश धोखाधड़ी मामले में दाखिल किया आरोप पत्र, चीनी नागरिक भी शामिल

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एचपीजेड टोकन निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोप पत्र दायर किया है, जिसमें एक चीनी नागरिक के स्वामित्व वाली संस्था शिगू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है। सीबीआई ने बुधवार को बताया कि आरोपियों ने श्एचपीजेड टोकनश नाम से एक फर्जी मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया था, जिसमें दावा किया गया था कि निवेश का उपयोग श्क्रिप्टोकरेंसी माइनिंगश के लिए किया जाएगा, जिससे बहुत अधिक लाभ मिलेगा। धोखेबाजों ने सिर्फ तीन महीनों के भीतर करोड़ों रुपए ठग लिए और फिर उस धन को कहीं और स्थानांतरित कर दिया। एक अधिकारी ने कहा, सीबीआई की जांच से पता चला कि यह कोई अकेली घटना नहीं थी,

बल्कि विदेशी नागरिकों द्वारा संचालित एक बड़े, सुनियोजित साइबर अपराध नेटवर्क का हिस्सा थी। यह गिरोह पोस्ट-कोविड अवधि में ऋण ऐप्स, फर्जी निवेश ऐप्स और नकली ऑनलाइन नौकरी के ऑफर देने वाले प्लेटफार्मों का उपयोग करके भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने वाले कई साइबर घोटालों के लिए जिम्मेदार था। सीबीआई ने शुरू में रजनी कोहली, सुशांत बेहरा, अभिषेक, मोहम्मद इमदाद हुसैन रजत जैन और डार्टसे नामक छह लोगों को गिरफ्तार किया था, लेकिन अब 30 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। इनमें दो चीनी नागरिक वान जून और ली आनमिंग भी शामिल हैं, जिन्होंने इन धोखाधड़ियों को निर्देशित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वान जून जिलियन कंसल्टेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कंपनी की निदेशक थी, जो चीनी संस्था जिलियन कंसल्टेंट्स की सहायक कंपनी थी। वान जून ने डार्टसे की मदद से शिगू टेक्नोलॉजीज सहित कई फर्जी कंपनियां सफलतापूर्वक बनाईं। जांच से पता चला है कि ये फर्जी कंपनियाँ बड़े संगठित साइबर धोखाधड़ी अपराध से अर्जित आय से बनाई गई थीं। इन कंपनियों के बैंक खातों से कुछ ही महीनों में एक हजार करोड़ से अधिक की राशि स्थानांतरित की गई। यह पुरा गिरोह एक संगठित तंत्र के रूप में विदेश से काम कर रहा था। जांच से पता चला है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ब्रेजा की दूसरी कार से टक्कर, 5 की मौत

बाराबंकी। जिले में बुधवार को सुबेहा थाना इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे ने कई परिवारों को तबाह कर दिया। यहाँ कुड़वां गांव के निकट 51.6 किलोमीटर पर तेज रफ्तार से आ रही ब्रेजा कार ने पहले से खड़ी वैगनआर में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गाड़ियां आग की लपटों में घिर गईं। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। घटना लखनऊ की ओर जा रही ब्रेजा की है जो अचानक खड़ी वैगनआर से जा टकराई।

टक्कर इतनी भयंकर थी कि वैगनआर में तुरंत आग लग गई और कुछ ही पलों में दोनों गाड़ियां धू-धू कर जलने लगीं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और यूपीडा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। बताया जा रहा है कि ब्रेजा में सवार चार लोगों में तीन महिलाएं और एक लड़की थी। इनमें से तीन सुरक्षित हैं, लेकिन एक लड़की की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं वैगनआर में तीन बच्चे, एक महिला और एक पुरुष सवार थे। घटनास्थल पर ही एक महिला और एक लड़की की मौत हो गई। दो बच्चियां जो 6 और 7 साल की थीं, उन्हें सीएचसी हैदरगढ़ भेजा गया था, लेकिन अफसोस की बात यह है कि कुल मिलाकर अब तक 5 लोगों ने अपनी जान गंवा दी है।

मणिपुर का दौरा करेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, जोरों पर स्वागत की तैयारियां

मणिपुर:विभिन्न सरकारी विभागों ने भी पूरे शहर में स्वागत के बैनर और होर्डिंग लगाए हैं। अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू इम्फाल के सिटी कन्वेंशन सेंटर में एक कार्यक्रम में शामिल होंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के गुरुवार को मणिपुर के प्रस्तावित दो दिवसीय दौरे से पहले, इम्फाल में उनके स्वागत की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद 11-12 दिसंबर, 2025 को यह राज्य का उनका पहला दौरा होगा। उनके आगमन की प्रत्याशा में, राज्य अधिकारियों ने इम्फाल हवाई अड्डे की सड़क के सौंदर्यीकरण के प्रयासों को तेज कर दिया है। सड़कों को नए सिरे से रंगा गया है, डिवाइडरों का नवीनीकरण किया गया है और राष्ट्रपति के स्वागत के लिए रंग-बिरंगे झंडे लगाए गए हैं। विभिन्न सरकारी विभागों ने भी पूरे शहर में स्वागत के बैनर और होर्डिंग लगाए हैं। अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू इम्फाल के सिटी कन्वेंशन सेंटर में एक कार्यक्रम में शामिल होंगी। दूसरे दिन, वे नुपी लाल स्मारक परिसर में नुपी लाल दिवस समारोह में भाग लेंगी और उसके बाद एक आधिकारिक कार्यक्रम के लिए सेनापति जिले की यात्रा करेंगी। इस बीच, इस यात्रा का विद्रोही समूहों के संगठन कोरकॉम ने कड़ा विरोध जताया है और 11 और 12 दिसंबर को मणिपुर में पूर्ण बंद का आह्वान किया है। हालांकि अधिकारियों को अभी तक राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यक्रम प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों को एक विशेष अतिथि के आगमन की तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया, ह्नहमें कोई आधिकारिक कार्यक्रम प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन हमें एक विशेष अतिथि के आगमन के लिए सुरक्षा संबंधी व्यवस्था करने के लिए कहा गया है ह्व राष्ट्रपति मुर्मू 11 दिसंबर को इम्फाल में एक कार्यक्रम में शामिल होंगी और उसके बाद 12 दिसंबर को नुपी लाल स्मारक परिसर का दौरा करेंगी, जहां वे मणिपुर की महिला स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। नुपी लाल स्मारक 1904 और 1939 में औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध महिलाओं के नेतृत्व में हुए दो ऐतिहासिक आंदोलनों की स्मृति में मनाया जाता है और प्रत्येक वर्ष 12 दिसंबर को मनाया जाता है।

मंत्र भारत

प्रदेश

2

ग्वालियर -गुरूवार,11 दिसम्बर 2025

गति शक्ति विश्वविद्यालय और अमेजन ने ज्ञान साझाकरण, संयुक्त पाठ्यक्रम विकास और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

गोरखपुरः भारत के परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के अग्रणी विश्वविद्यालय गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) और विश्व की अग्रणी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के तहत ज्ञान साझा करना, शैक्षणिक पाठ्यक्रम का संयुक्त विकास और संयुक्त अनुसंधान गतिविधियां संचालित की जाएंगी। एमओयू के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है जीएसवी में अमेजन चेयर प्रोफेसरशिप की स्थापना करना और डेटा-आधारित निर्णय लेने की पद्धतियों का उपयोग करते हुए वेयरहाउसिंग क्षेत्र में अनुसंधान करना। गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज चौधरी ने कहा कि देश में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को समर्पित एकमात्र विश्वविद्यालय होने के नाते, विश्वविद्यालय गहन अनुसंधान और विशेष प्रतिभा विकास के माध्यम से भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अमेजन इंडिया के साथ सहयोग से बहुमूल्य उद्योग अंतर्दृष्टि प्राप्त होगी, जो सह-कार्य परियोजनाओं के माध्यम से लॉजिस्टिक्स और परिवहन में योजना, डिजाइन और नवाचार को बढ़ावा देगी। जीएसवी को संसद के अधिनियम द्वारा 2022 में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया था। रेल मंत्रालय (भारत सरकार) के अधीन कार्यरत यह विश्वविद्यालय रेलवे, राजमार्ग, बंदरगाह, विमानन, समुद्री परिवहन, जहाजरानी, ??अंतर्देशीय जलमार्ग, शहरी परिवहन और संपूर्ण रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क सहित संपूर्ण परिवहन क्षेत्र को कवर करता है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री अश्विनी वैष्णव (रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री) हैं।

राज्यों के साथ संयुक्त सर्वेक्षण, मानकीकृत पुल डिजाइन, एकल-इकाई कार्यान्वयन और तेजी से काम करने के लिए नियमित समीक्षा तंत्र

गोरखपुर : भारतीय रेलवे पर रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज (आरओबी/आरयूबी) के कार्यों की मंजूरी और क्रियान्वयन एक सतत प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को ट्रेन संचालन में सुरक्षा और गतिशीलता पर प्रभाव और सड़क उपयोगकताओं पर प्रभाव के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है और उन्हें शुरू किया जाता है। भारतीय रेल पर वर्ष 2004-14 के दौरान कुल 4,148 आरओबी/आरयूबी का निर्माण किया गया जबकि वर्ष 2014-25 के दौरान अक्टूबर,2025 तक कुल 13,653 आरओबी/आरयूबी का निर्माण किया गया। मालदा डिवीजन के अजीमगंज-न्यू फरक्का खंड में किमी 239/9-10 पर एलसी नंबर 43/एसपीएल/ई के बदले आरओबी के निर्माण कार्य को मंजूरी दे दी गई है। जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग (जीएडी) और विस्तृत अनुमान तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। पश्चिम बंगाल में स्वीकृत 302 आरओबी/आरयूबी कार्यों में से, 99 आरओबी/आरयूबी कार्य राज्य सरकार के कारण विलंबित हैं। जिसमें संरेखण को अंतिम रूप देने के कारण 41, सामान्य व्यवस्था ड्राइंग चरण के कारण 14, एलसी को बंद करने के लिए एनओसी के कारण 27, भूमि अधिग्रहण के कारण 10, कानून एवं व्यवस्था/सार्वजनिक विरोध के कारण 7 कार्य लंबित है। तेलंगाना में 63 स्वीकृत आरओबी कार्यों में से, 17 आरओबी कार्यों में राज्य सरकार के कारण देरी हो रही है। जिसमें भूमि अधिग्रहण के कारण 16 तथा संरेखण को अंतिम रूप देने के कारण 01 मामलें लंबित है।

रेलवे अमृत भारत योजना के तहत 1,300 से ज्यादा स्टेशनों का कायाकल्प कर रहा है

गोरखपुर, : गुरुवार को लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत में चल रहे रेलवे स्टेशन रीडेवलपमेंट अभियान के पैमाने और प्रगति के बारे में बताया। मंत्री ने कहा, ह्लमैं आपके माध्यम से पूरे सदन और देश को सूचित करना चाहता हूं कि पिछले 11 सालों में पीएम ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के रीडेवलपमेंट के लिए एक नई पहल की है, जो पूरी दुनिया में किसी भी देश द्वारा स्टेशनों के रीडेवलपमेंट का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। 1300 से ज्यादा स्टेशनों का रीडेवलपमेंट किया जा रहा है, 160 स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है, और यह काम करने के पुराने पारंपरिक तरीकों से अलग है, जहां सिर्फ.रंगाई-पुताई को ही स्टेशन डेवलपमेंट माना जाता था। आज हम एक सच्चे मास्टर प्लान के साथ काम कर रहे हैं, जिसमें स्थानीय वास्तुकला को महत्व दिया जा रहा है, दोनों तरफ से एंट्री की व्यवस्था की जा रही है, पैसेंजर हॉल और ऋडइ बनाए जा रहे हैं, और इसे अगले 50 सालों को ध्यान में रखकर प्लान किया जा रहा है। वैष्णव ने बेहतर एक्सेस एरिया, बढ़े हुए पार्किंग जोन और नई पैसेंजर-हैंडलिंग व्यवस्थाओं पर भी जोर दिया। दिवाली और छठ पूजा के दौरान तैयार किए गए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन होल्डिंग एरिया का उदाहरण देते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे हजारों यात्री त्योहारों की भीड़ के दौरान रेलवे सुविधाओं का इस्तेमाल करते हुए आराम से इंतजार कर पाए।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए पूरे देश के 5,868 रेलवे स्टेशनों पर व्हीलचेयर उपलब्ध हैं

गोरखपुरःरेलवे द्वारा दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों आदि के परिचारकों को रेलगाड़ियों से आने-जाने के लिए निःशुल्क व्हीलचेयर उपलब्ध कराई जाती हैं। हालांकि, परिचारक उपलब्ध न होने पर, दिव्यांगजनों आदि को लाने-ले जाने के लिए पूर्व निर्धारित मामूली दर पर लाइसेंस प्राप्त सहायक (पोर्टर) किराए पर लिए जा सकते हैं। इस संबंध में जानकारी रेलवे स्टेशन परिसर में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित की जाती है। वर्तमान में, भारतीय रेलवे के 5868 स्टेशनों पर व्हीलचेयर उपलब्ध हैं।

बुजुर्ग, दिव्यांग और बीमार यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए की गई अन्य पहलों में निम्नलिखित पहल शामिल हैंः

(१) कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में वरिष्ठ नागरिकों और 45 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिला यात्रियों को बुकिंग के समय सीट उपलब्ध होने पर, बिना किसी विकल्प के भी, स्वचालित रूप से लोअर बर्थ आवंटित करने का प्रावधान है।

(२) शयन यान श्रेणी में प्रति कोच छह से सात लोअर बर्थ, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (3एसी) में प्रति कोच चार से पांच लोअर बर्थ और वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी (2एसी) में प्रति कोच तीन से चार लोअर बर्थ (रेलगाड़ियों में उस श्रेणी के कोचों की संख्या के आधार पर) का संयुक्त कोटा वरिष्ठ नागरिकों, 45 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला यात्रियों और गर्भवती महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है।

(३) सभी क्षेत्रीय रेलवे के उपनगरीय खंडों पर चलने वाली लोकल रेलगाड़ियों के पूरे समय के दौरान प्रथम और अंतिम द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कम से कम 7 सीटें आरक्षित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

(५) रेलगाड़ियों के प्रस्थान के बाद, यदि रेलगाड़ियों में निचली बर्थ खाली हों और विकलांग रियायत के तहत बुकिंग कराने वाला कोई दिव्यांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक या गर्भवती महिला, जिसे ऊपरी/मध्य बर्थ आवंटित की गई हो, खाली निचली बर्थ के आवंटन के लिए संपर्क करे, तो रेलगाड़ियों में मौजूद टिकट चेकिंग स्टाफ को चार्ट में आवश्यक प्रविष्टियाँ करते हुए उन्हें खाली निचली बर्थ आवंटित करने का अधिकार दिया गया है।

2238 मेल और एक्सप्रेस सेवाएं, कोविड-पूर्व के 1768 ट्रेनों के दैनिक स्तर से 470 अधिक

गोरखपुरः वर्तमान में, भारतीय रेलवे नेटवर्क पर चेयर कार वाली 164 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। इसके अलावा, वंदे भारत एक्सप्रेस और इसके वेरिएंट सहित नई ट्रेनों की शुरूआत भारतीय रेलवे में एक सतत प्रक्रिया है, जो कई कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैंः उस खंड की क्षमता, मार्ग की उपलब्धता, जरुरी रोलिंग स्टॉक की उपलब्धता, रोलिंग स्टॉक के लिए उपयुक्त बुनियादी ढांचे की उपलब्धता, रेलवे ट्रैक और अन्य संपत्तियों के रखरखाव की जरुरत कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए भारतीय रेलवे (आईआर) ने 23 मार्च 2020 से सभी नियमित यात्री ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया था और केवल विशेष ट्रेनें ही चलाई जा रही थीं। भारतीय रेलवे ने आईआईटी-मुंबई की मदद से समय सारिणी का युक्तिकरण भी वैज्ञानिक तरीके से किया, जिसमें ट्रेन सेवाओं और ठहरावों का समायोजन भी शामिल था। यह प्रक्रिया मुख्य रूप से यात्रियों की सुरक्षा के लिए रखरखाव कॉरिडोर ब्लॉक बनाने, ट्रेन सेवाओं की गति बढ़ाने और समय की पाबंदी में सुधार करने के लिए की गई थी। नवंबर 2021 से, एक्सप्रेस ट्रेनें युक्तिसंगत समय सारिणी और नियमित संख्या के अनुसार चलाई जा रही हैं। भारतीय रेलवे नेटवर्क पर प्रतिदिन औसतन 11,740 ट्रेनें (नवंबर 2025) चलती हैं, जबकि कोविड-19 से पहले यह संख्या 11,283 थी। भारतीय रेलवे नेटवर्क पर प्रतिदिन औसतन 2,238 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें (नवंबर 2025) चलती हैं, जबकि कोविड-19 से पहले यह संख्या 1,768 थी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें : लंबी और मध्यम दूरी की रात्रिकालीन यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए, वंदे भारत ट्रेन के स्लीपर संस्करण को स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है। ऐसे दो रैक निर्मित किए जा चुके हैं और परीक्षण/चालू करने की प्रक्रिया में हैं। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों में उपलब्ध व्यापक तकनीकी प्रगति और सुरक्षा विशेषताएं निम्नलिखित हैं- कवच से सुसज्जित, 180/160 किमी प्रति घंटा की डिजाइन/ऑपरेटिंग गति के साथ उच्च वेगवृद्धि, क्रैशप्रूफ और झटके-रहित अर्ध-स्थायी कपलर और एंटी-क्लाइम्बर, ईएन मानकों के अनुरूप क्रैशप्रूफ कारबॉडी डिजाइन, ईएन-45545 एचएल3 अग्नि सुरक्षा मानक, प्रत्येक कोच के अंत में आग को रोकने वाले दरवाजे, विद्युत कैबिनेट और शौचालयों में उन्नत एयरोसोल आधारित अग्नि पहचान और शमन प्रणाली, ऊर्जा दक्षता के लिए रीजेनरेटिव ब्रेकिंग प्रणाली, स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित कीटाणुशोधन प्रणालियों से सुसज्जित एयर कंडीशनिंग इकाइयाँ, केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गलियारे, सभी कोचों में सीसीटीवी कैमरे, आपातकालीन स्थिति में यात्री और ट्रेन प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संपर्क के लिए आपातकालीन टॉक-बैक यूनिट दिव्यांगजन यात्रियों के लिए प्रत्येक छोर पर स्थित ड्राइविंग कोचों में विशेष शौचालय, एयर कंडीशनिंग, सैलून लाइटिंग आदि जैसी यात्री सुविधाओं की बेहतर निगरानी के लिए केंद्रीकृत कोच निगरानी प्रणाली, ऊपरी बर्थों पर चढ़ने में आसानी के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई सीढ़ी, यह जानकारी केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में प्रश्नों के लिखित उत्तर में दी।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे के तत्त्वावधान में 10 से 13 दिसम्बर 2025 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 32वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बास्केटबॉल प्रतियोगिता-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ 10 दिसम्बर, 2025 को मुख्य अतिथि अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में रेलवे सुरक्षा विशेष बल, पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, दक्षिण रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे तथा मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे सहित कुल 08 टीमें भाग ले रही हैं। इस अवसर पर प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, क्षेत्रीय रेलों के सदस्यगण, बास्केटबॉल संघ गोरखपुर के सदस्यगण एवं पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के पदाधिकारी तथा भारी संख्या में बास्केटबॉल प्रेमी उपस्थित थे। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच पूर्वोत्तर रेलवे एवं मध्य रेलवे के बीच खेला गया,

जिसमें पूर्वोत्तर रेलवे ने मध्य रेलवे को 44-27 अंको से पराजित कर मैच जीत लिया। पूर्वोत्तर रेलवे की ओर भीम सिंह, सुरजभान सिंह, विजय, रामाश्रय एवं अजय मल्ल ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। आज खेले गये अन्य मैच में दक्षिण रेलवे ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे को 40-16 अंको से एवं पश्चिम रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल को 40-26 अंको तथा उत्तर रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे को 45-20 अंको से हराया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल ने इस चार दिवसीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन के लिये रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे को बधाई दी। श्री शुक्ल ने कहा कि अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आरम्भ वर्ष 1989 में चेन्नई में हुई थी। वर्ष 2024 में ये प्रतियोगिता गोरखपुर में हुई थी, जिसमें मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे विजेता रहा। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के उपरान्त रेलवे सुरक्षा बल की चयनित बास्केटबॉल टीम अखिल भारतीय पुलिस खेल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेगी। श्री शुक्ल ने कहा कि बाहर से आए हुए खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में खेल भावना से अपना शानदार प्रदर्शन करेंगे। प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे श्री तारिक अहमद ने स्वागत सम्बोधन करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में टीमों को दो पूलों में बॉटा गया है तथा सभी टीमों के बीच लीग, सेमीफाइनल एवं फाइनल को मिलाकर कुल 16 मैच खेले जायेंगे। यह प्रतियोगिता ऑल इंडिया रेलवे सुरक्षा बल टीमों के बीच हो रही है। प्रतियोगिता में पारदर्शिता बनाये रखने के लिये बास्केटबॉल संघ, गोरखपुर एवं पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के रेफरी तथा निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा अहम भूमिका है। कल 11 दिसम्बर,2025 को प्रतियोगिता का अन्य मैच रेलवे सुरक्षा विशेष बल एवं मध्य रेलवे तथा दक्षिण रेलवे एवं दक्षिण मध्य रेलवे के बीच खेला जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

सबूत नहीं पेश कर पाई पुलिस, सिर्फ आर्मोरर को सजा

बस्ती। नक्सली हमले में 74 सीआरपीएफ जवानों के शहीद होने के मामले की छानबीन में कारतूस घोटाले का ऐसा मामला उजागर हुआ था, जिसने पुलिस महकमे में खलबली मचा दिया था। यूपी एसटीएफ ने प्रयागराज के रिटायर्ड दरोगा यशोदानंदन को गिरफ्तार कर उसके पास से एक लाल डायरी बरामद की थी। उस डायरी में दर्ज ब्योरे के आधार पर 29 और 30 अप्रैल 2010 को बस्ती पुलिस लाइंस के आर्मोरर राम कृपाल सिंह समेत छह पुलिस कर्मियों की एसटीएफ ने गिरफ्तारी तो की लेकिन न्यायालय में उनके खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं जुटा पाई। जिसका नतीजा यह हुआ कि मामला कमजोर होता चला गया और मात्र रामकृपाल सिंह को ही सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा हो पाई। केस में नामजद अयोध्या (तत्समय फैजाबाद) पुलिस के आर्मोरर जितेंद्र सिंह और अमर सिंह, गोरखपुर पुलिस का आर्मोरर राजेश शाही, राजेश सिंह और 30वीं वाहिनी प्रांतीय सशस्त्र बल(पीएसी) गोंडा का आर्मोरर सुशील कुमार मिश्रा को अदालत ने पर्याप्त सबूत के अभाव में बरी कर दिया। अक्तूबर वर्ष 2010 में हुए उक्त नक्सली हमले के बाद मौके से प्रतिबंधित 303 बोर के कारतूस बरामद किए गए थे। जिसके बाद खलबली मच गई कि पुलिस की आर्मरी में सप्लाई होने वाले कारतूस नक्सलियों तक कैसे पहुंचे। एसटीएफ ने मामले की जांच शुरू की तो पता चला कि राज्य के विभिन्न जिलों के आर्मोरर नक्सलियों को अवैध कारतूस सप्लाई कर रहे हैं। जांच टीम ने बस्ती पुलिस लाइंस में तैनात आर्मोरर रामकृपाल सिंह को गिरफ्तार कर उसके ब्रीफकेस से विभिन्न प्रकार के कारतूस और खोखे बरामद किए थे। न्यायालय ने सभी पक्षों का बयान और सुबूत के आधार पर राम कृपाल को सजा सुना दी। बाकी सभी आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

किराया बढ़ाने के विवाद में दुकानदार को पीटा

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने दुकानदार की पिटाई व धमकाने के मामले में मकान मालिक समेत दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। मुंडेरवा थानाक्षेत्र के बघाड़ी निवासी राकेश कुमार चौधरी ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि कोतवाली के हर्दिया में स्थित हसरत अली के मकान में किराये पर दुकान लिया है। आरोप है कि दुकान मालिक आए दिन किराया बढ़ाने की बात को लेकर उल्टा-सीधा बोलते रहते हैं। गत छह दिसंबर को हसरत अली व इनका भाई अकरम हुसैन निवासी सियरापार थाना कोतवाली दुकान पर आए और बेवजह अपशब्द कहने लगे। साथ ही कॉलर पकड़कर घसीटते हुए मारापीटा।

पशुओं की दवाओं के लिए भी खोले जाएंगे 14 जन औषधि केंद्र

बस्ती। पशुपालन विभाग अब जन औषधि केंद्र खोलेगा। पहले चरण में सभी 14 ब्लॉकों में एक-एक केंद्र खुलेंगे। जहां सस्ते दर पर पशु पालकों को दवाएं मिल सकेंगी। विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी बस्ती डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि पशुओं की दवाओं के लिए भी जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे। मनुष्यों की तरह पशुओं के उपचार के लिए भी सस्ती और गुणवत्ता युक्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पशुपालन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा एक सराहनीय कदम उठाते हुए प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर एक ऐसे केंद्र को स्थापित करने की योजना आरंभ की गई है। योजना का उद्देश्य पशुपालकों को सस्ती दरों पर औषधियों को उपलब्ध कराना है। पशु जन औषधि केंद्र खोलने के लिए प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र/कोऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा जिसका लिंक ँ३३स्र२://स्रं२ँ४४२ौं-ोंि-ङ्ग५७ल्ल है। आवेदन के लिए निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। आवेदन के लिए पात्रता की शर्तों में फार्मासिस्ट का पंजीकरण प्रमाण पत्र, ड्रग लाइसेंस तथा न्यूनतम 120 वर्ग फीट स्थान उपलब्ध होना अनिवार्य है। आवेदन प्राप्त होने के उपरांत पशुपालन विभाग द्वारा स्थान की उपयुक्तता का निरीक्षण व पात्रता का सत्यापन किया जाएगा तथा शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चयन किया जाएगा। इस योजना से जहां एक ओर पशुपालकों को सस्ती दर पर दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी वहीं रोजगार सृजन का भी यह योजना एक माध्यम बनेगी।

मारपीट के आरोप में तीन लोगों पर एफआईआर

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के मैनसिरपुर में सात दिसंबर को हुए मारपीट और तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों पर एफआईआर दर्ज किया है। मैनसिरपुर निवासी इरन देवी पत्नी राहुल यादव ने तहरीर में आरोप लगाया है कि राजेश, रीना उर्फ पिंटू और सुभद्रा उनके घर पर चढ़ आए और बिना किसी कारण लाठी-डंडों के साथ हमला कर दिया। पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने अपशब्द कहे, घर में तोड़फोड़ की और उन्हें तथा उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर उनकी पिटाई भी की गई।

पति पर दूसरी शादी करने का आरोप

बस्ती। सदर कोतवाली क्षेत्र के डिड़ौहा खोराखार (पटेल चौक) की रहने वाली पुनीता चौधरी ने एसपी अभिनंदन को मंगलवार को प्रार्थनापत्र देकर आरोप लगाया है कि पति धर्मात्मा प्रसाद चौधरी ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया है। आठ वर्षीय बेटे विक्रांत से भी नहीं मिलने दिया जा रहा है। तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। इसके बावजूद पति ने दूसरी शादी कर ली है। एसपी ने कार्रवाई का भरोसा दिया है।

टक्कर मारने वाले कार चालक पर एफआईआर

बस्ती। छावनी पुलिस ने एक दिसंबर को पटखापुर के पास हुए सड़क हादसे में नारियल पानी बेचने वाले युवक टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल करने वाले अज्ञात कार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। आरोप है कि कार चालक ने सड़क किनारे ठेला लगाए आसिफ बेग को जोरदार टक्कर मारी और करीब 100 मीटर तक घसीट दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

हरिद्वार से 88 और देहरादून से 36 ट्रेनें होती हैं संचालितः अश्विनी वैष्णव केंद्रीय रेल मंत्री

गोरखपुरः केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में हरिद्वार सांसद श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों के लिए रेल सेवाओं से संबंधित पूछे गए अतारांकित प्रश्न का उत्तर दिया। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि रेलवे नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है और ट्रेनें नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार राज्य सीमाओं के पार भी चलाई जाती हैं। वर्तमान में देहरादून/हरिद्वार वाराणसी (03 जोड़ी गाड़ियों द्वारा), गया (01 जोड़ी गाड़ियों द्वारा), पुरी (01 जोड़ी गाड़ियों द्वारा), पटना (02 जोड़ी गाड़ियों द्वारा) और कोलकाता (03 जोड़ी गाड़ियों द्वारा) आदि शहरों से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में, हरिद्वार स्टेशन 88 रेलगाड़ी सेवाओं तथा देहरादून स्टेशन 36 रेलगाड़ी सेवाओं द्वारा निम्नानुसार सेवित किए जा रहे हैं: हरिद्वार स्टेशन को सेवित करने वाली रेलगाड़ियां हैं - 22457/22458 आनंद विहार (ट.) झ देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस, 22545/22546 लखनऊ झ देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस, 12017/12018 नई दिल्ली झ देहरादून शताब्दी एक्सप्रेस, 12053/12054 हरिद्वार झ अमृतसर जन शताब्दी एक्सप्रेस, 12055/12056 नई दिल्ली झ देहरादून जन शताब्दी एक्सप्रेस, 12091/12092 देहरादून झ काठगोदाम जन शताब्दी एक्सप्रेस, 12171/12172 लोकमान्य तिलक (ट.) झ हरिद्वार एक्सप्रेस, 12327/12328 हावड़ा झ देहरादून उपासना एक्सप्रेस, 12369/12370 हावड़ा झ देहरादून कुंभ एक्सप्रेस, 12401/12402 कोटा झ देहरादून नंदा देवी एक्सप्रेस, 12911/12912 वलसाड झ हरिद्वार एक्सप्रेस, 13009/13010 हावड़ा झ योग नगरी ऋषिकेश दून एक्सप्रेस, 14041/14042 दिल्ली झ देहरादून मसूरी एक्सप्रेस, 14113/14114 सूबेदारगंज झ देहरादून एक्सप्रेस, 14119/14120 काठगोदाम झ देहरादून एक्सप्रेस, 14229/14230 प्रयागराज संगम झ योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, 14303/14304 दिल्ली झ हरिद्वार एक्सप्रेस, 14305/14306 दिल्ली झ हरिद्वार एक्सप्रेस, 14309/14310 लक्ष्मी बाई नगर - योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, 14317/14318 लक्ष्मी बाई नगर - योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, 14605/14606 योग नगरी ऋषिकेश झ जम्मू तवी एक्सप्रेस, 14609/14610 योग नगरी ऋषिकेश - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस, 14625/14626 हरिद्वार झ फिरोजपुर कैंट एक्सप्रेस, 14631/14632 देहरादून झ अमृतसर एक्सप्रेस, 14717/14718 बीकानेर झ हरिद्वार एक्सप्रेस, 14815/14816 श्री गंगानगर झ ऋषिकेश एक्सप्रेस, 14887/14888 ऋषिकेश झ बाड़मेर एक्सप्रेस, 15001/15002 मुजफ्फरपुर झ देहरादून एक्सप्रेस, 15005/15006 गोरखपुर झ देहरादून एक्सप्रेस, 15019/15020 देहरादून झ टनकपुर एक्सप्रेस, 15119/15120 बनारस झ देहरादून एक्सप्रेस, 18477/18478 पुरी झ योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, 19019/19020 बांद्रा (ट.) झ हरिद्वार एक्सप्रेस, 19031/19032 साबरमती झ योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, 19271/19272 भावनगर (ट.) झ हरिद्वार एक्सप्रेस, 19565/19566 ओखा झ देहरादून एक्सप्रेस, 19609/19610 उदयपुर सिटी झ योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, 22659/22660 तिरुवनंतपुरम उत्तर झ योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, 22917/22918 बांद्रा (ट.) झ हरिद्वार एक्सप्रेस, 54341/54342 सहारनपुर झ देहरादून पैसेंजर, 54463/54464 चंदौसी झ ऋषिकेश पैसेंजर, 54481/54482 हरिद्वार झ ऋषिकेश पैसेंजर, 54483/54484 हरिद्वार झ ऋषिकेश पैसेंजर, 64511/64512 हरिद्वार झ अंब अंदौरा मेमू।

बुमराह की बॉल पर छक्का लग जाए तो डॉक्यूमेंट्री बना

कटक। मैच की बात करें तो भारत ने पहला टी20 101 रन से जीता। भारत ने छह विकेट गंवाकर 175 रन बनाए। हार्दिक ने 28 गेंद में छह चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 59 रन की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी ने तीन विकेट लिए। जवाब में द. अफ्रीकी टीम 74 रन पर सिमट गई। भारत ने कटक में खेले गए पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका को 101 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 175 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 12.3 ओवर में 74 रन पर सिमट गई। हार्दिक पांड्या की तूफानी बल्लेबाजी और सधी हुई गेंदबाजी ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच बनाया। हालांकि, हार्दिक से ज्यादा चर्चा भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के एक बयान की हो रही है। आकाश बिना नाम लिए और इशारों-इशारों में पाकिस्तान के ओपनर बल्लेबाज साहिबजादा फरहान पर निशाना साधते दिखे।

निःस्वार्थ सेवा की मिसाल

ममता कटारे ने किया 5800 युवक-युवतियों का घर बसाने का सपना पूरा

■ ग्वालियर

निःस्वार्थ समाजसेवा का एक प्रेरणादायी उदाहरण पेश करते हुए शहर की वरिष्ठ समाजसेवी एवं

सनाढ्य ब्राह्मण समाज की अध्यक्ष श्रीमती ममता कटारे ने पिछले पांच वर्षों में 5800 युवक-युवतियों का विवाह कराकर उनके घर बसाए हैं। वर्ष 2020 से शुरू हुई यह पहल अब सैकड़ों परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बन चुकी है। ममता कटारे ने बताया कि विवाह योग्य बच्चों के लिए उपयुक्त रिश्ता ढूंढने में माता-पिता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया और लगभग 50 ग्रुप बनाकर युवक-युवतियों के बायोडाटा साझा करने की व्यवस्था की। आज इन ग्रुप में करीब 50 हजार लोग जुड़े हुए हैं। यह सेवा पूर्णतः निःशुल्क है और उनका कार्य केवल एक मंच उपलब्ध कराना है, जहां योग्य वर-वधु आसानी से मिल सकें। वे बताती है कि सबसे पहले उन्होंने इस कार्य की शुरुआत 27 वर्ष पहले अपने घर से की थी। इसके बाद वर्ष 2020 से सोशल मीडिया का सहारा लिया।

अपने घर पर दिखवा देती हैं युवक-युवतियों को

उन्होंने बताया कि कई परिवार आर्थिक तंगी के कारण युवक-युवतियों को दिखाने में अधिक पैसा खर्च नहीं कर पाते, इसलिए वे ऐसे लोगों को अपने घर बुलाकर मिलने-जुलने की सुविधा भी प्रदान करती हैं। इस दौरान उनके रहने की व्यवस्था भी आश्रमों, परिचितों या स्वयं के घर पर भी कर देती हैं। रिश्ता तय होने पर मिलने वाली दुआएं उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान होती हैं।

विदेश में रहने वालों के कराए विवाह

ममता कटारे का यह प्रयास देश ही नहीं, विदेश में भी सराहा जा रहा है। विदेशों में रहने वाले युवक-युवतियों के भी 6-7 विवाह उनकी पहल से संपन्न हो चुके हैं। साथ ही तलाकशुदा व्यक्तियों के लिए भी वे नए जीवन की शुरुआत का अवसर उपलब्ध करा चुकी हैं।

ग्रुप पर मिलती है पूरी जानकारी

विवाह ग्रुपों में युवक-युवतियों की फोटो से लेकर नौकरी, आय, परिवार और अन्य आवश्यक विवरण साझा किए जाते हैं, ताकि भविष्य में कोई असुविधा न हो और परिवार अपनी पसंद के अनुसार उचित जीवन साथी चुन सकें। ममता कटारे की 27 वर्षों से जारी सेवा आज समाज में प्रेरणा का स्त्रोत बन चुकी है।

विद्यार्थियों को पर्यावरण और एडवेंचर के बारे में बताया

ग्वालियर, । यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ग्वालियर के पदाधिकारियों ने ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल परिसर में विद्यार्थियों को संस्था के उद्देश्यों और उसकी गतिविधियों सहित पर्यावरण व एडवेंचर के प्रति जागरूक करने की जानकारी दी। कार्यक्रम में साहसिक खेलों की गतिविधियों जैसे रॉक क्लाइंबिंग, रिवर राफ्टिंग, बाइकिंग, साइकलिंग, ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, वैली क्रॉसिंग के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों को प्राकृतिक वातावरण में पहाड़ियों, जंगलों, बर्फीले क्षेत्रों से गुजरते हुए साहसिक गतिविधियां करने के दौरान उपयोग में लेने वाले उपकरणों और सावधानियों के के बारे में बताया। इस मौके पर विद्यालय प्राचार्य राजेश्वरी सावंत, रामनारायण मिश्रा, सुनील राय एवं निर्मल दास उपस्थित रहे।

परिवारिक विवादों के समाधान में ब्राह्मण समाज आगे आए, आत्महत्या जैसे कदम न उठें: अण्णा महाराज

■ ग्वालियर

वर्तमान में कई घरों में छोटी-छोटी बातों पर पति-पत्नी और मां-बाप व बच्चों के बीच झगड़े होते हैं, जो कभी-कभी आत्महत्या जैसे खतरनाक कदम में बदल जाते हैं। यह पूरे परिवार की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। सकल ब्राह्मण महासमिति को इस दिशा में पहल करना चाहिए ताकि विवाद संवाद के माध्यम से सुलझ सकें।

यह बात महंत मनीष विट्ठल अण्णा महाराज ने मंगलवार को ऊंट पुल के समीप 16वां निःशुल्क विवाह योग्य ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन के कार्यालय उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। अध्यक्षता डॉ. जयवीर भारद्वाज ने की। अण्णा महाराज ने

तलाक की बढ़ती दर पर भी चिंता व्यक्त हुए कहा कि पारिवारिक मामलों का संवाद से समाधान करें और न्यायालय जाने से बचना चाहिए।

डॉ. जयवीर भारद्वाज ने कहा कि 24 और 25 दिसंबर को भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर सुमित गौतम, संजय लभाटे, सतीश महाराज, महेश मिश्रा, आरबी पाठक, पंडित राजेश अवस्थी, शीतल प्रसाद शर्मा, ब्रह्मदत्त शास्त्री पांडे, सुमित गौतम, प्रीति शर्मा, अनीता दीक्षित, राज नारायण शुक्ला, योगेंद्र दीक्षित, राजू पंडित आदि उपस्थित रहे।

1 फरवरी में होगा युवक युवती परिचय सम्मेलन

इस मौके पर तय हुआ कि एक फरवरी को चेम्बर ऑफ कॉमर्स के भवन में युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बताया गया कि 300 विवाह योग्य युवक और युवतियों की जानकारी आदान-प्रदान की जा चुकी है।

प्रकाश नारायण अध्यक्ष और बीना महिला अध्यक्ष बनीं

कार्यक्रम में सकल ब्राह्मण महासमिति की पूर्व की कार्यकारिणी को निष्क्रिय करते हुए मंगलवार को पुनर्गठन किया गया। जिसमें प्रकाश नारायण शर्मा को अध्यक्ष एवं श्रीमती बीना भारद्वाज को महिला समिति का अध्यक्ष चुना गया। इनके द्वारा एक सप्ताह में कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

कैंटर की टक्कर से तीन भैंसों की मौत

ग्वालियर। पनिहार थाना क्षेत्र में अनियंत्रित गति से दौड़ रहा कैंटर ने सड़क पर बैठी भैंसों को रौंद दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि तीन भैंसों की मौत हो गई। जबकि छह भैंसे गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। विशम्भर सिंह पुत्र औतारसिंह गुर्जर निवासी सुजवाया तिघरा ने रविवार रात के समय अपनी भैंसें चरने के लिए छोड़ी थीं। इनमें से कुछ भैंसें तिघरा के आस-पास ही चरती रहीं, लेकिन 9 भैंसें चरते-चरते पनिहार तक आ पहुंचीं। नयागांव जियो पेट्रोल पंप के सामने भैंसों को कैंटर के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। कैंटर की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीन भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 बुरी तरह घायल हो गईं। आरोपी चालक घटना के बाद मौके से भाग गया था।

शैक्षणिक परिसरों में शी-बॉक्स लगाए जाएंगे, जागरूकता कार्यक्रम होंगे

■ ग्वालियर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने देशभर के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को निर्देश जारी कर शैक्षणिक परिसरों में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देने के आदेश दिए हैं। इसके तहत अब शहर के सभी शिक्षण संस्थानों में छात्राओं और महिला कर्मचारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम, विधि जागरूकता और गोपनीय शिकायत व्यवस्था को मजबूती दी जाएगी।

नए निर्देशों के अनुसार सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों में शी बॉक्स लगाए जाएंगे। यह एक सुरक्षित और गोपनीय शिकायत माध्यम होगा, जिसमें छात्राएं अपने साथ हुई किसी भी तरह की यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार या असुविधा से संबंधित जानकारी बिना पहचान उजागर किए दर्ज कर सकेंगी। इन शिकायतों पर आंतरिक शिकायत समिति को त्वरित कार्रवाई करना अनिवार्य होगा।

इसके साथ ही संस्थानों में कानूनी जागरूकता कक्षाएं (लीगल क्लासेज) भी नियमित रूप से संचालित होंगी। इन कक्षाओं में छात्राओं को महिला सुरक्षा, उनके अधिकारों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी।

इसके अलावा घरेलू हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम, पॉक्सो कानून, नई न्याय संहिता, पीड़ित मुआवजा संबंधी प्रावधान संबंधी कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं को न सिर्फ कानूनों की जानकारी दी जाएगी, बल्कि यह भी समझाया जाएगा कि किसी घटना के दौरान उन्हें किससे संपर्क करना है, कैसे शिकायत करनी है और क्या-क्या अधिकार उन्हें कानून प्रदान करता है। इसके अलावा, संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हेल्पलाइन नंबर, महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ की जानकारी, महाविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति का विवरण तथा स्थानीय पुलिस सहायता तंत्र के सभी संपर्क विवरण परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हों।

मंत्रालय भेजना होगी रिपोर्ट

आयोग ने सभी महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया है कि इन सभी गतिविधियों लीगल क्लास, जागरूकता कार्यक्रम, शी बॉक्स स्थापना, कार्यशालाओं और शिकायत निपटान का संपूर्ण विवरण तैयार कर 25 दिसंबर तक मंत्रालय को भेजा जाए। इसमें लापरवाही करने वाले शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

योग शास्त्र संगम में शोध पत्र जमा करने की अंतिम तिथि कल

ग्वालियर। विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी प्रकल्प नीड़म ग्वालियर एवं लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'योग शास्त्र संगम' 13 एवं 14 दिसंबर को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान के सभागार में आयोजित किया जाएगा। विवेकानंद केंद्र ग्वालियर विभाग संचालक अजय शर्मा ने बताया कि 13 दिसंबर को सुबह 9 बजे से 10 बजे तक प्रतिभागियों का पंजीयन एवं किट वितरण होगा। 10 बजे से 11 बजे तक अल्पाहार के बाद उद्घाटन सत्र प्रारम्भ होगा। जिसमें मुख्य वक्ता विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के अखिल भारतीय योग प्रमुख रवि शर्मा, मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विशिष्ट अतिथि आद्य शंकर विद्यापीठ उत्तरकाशी के प्रमुख स्वामी हरिब्रम्हेन्द्रानंद तीर्थ महाराज होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा करेंगी। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में योग शिक्षकों, योग शोधार्थियों एवं योग साधकों द्वारा 'श्रीमद् भगवत गीता में योग की संकल्पना' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिभागी अपने शोध पत्र 11 दिसंबर तक विवेकानंद नीड़म में जमा कर सकते हैं।

कम वेतन मिलने पर आउटसोर्स कर्मचारियों में आक्रोश

■सीएमएचओ को ज्ञापन सौंप रखी मांग

■ ग्वालियर

स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को मध्य प्रदेश संविदा ठेका कर्मचारी श्रमिक संघ ने सीएमएचओ कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रदेश महामंत्री विश्वेश्वर गोस्वामी के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा कि आउटसोर्स डेटा ऑपरेटरों को पूरा वेतन दिलाया जाए, क्योंकि पूर्व अधिकारियों द्वारा इनका दक्षता मूल्यांकन किया गया था। यदि किसी कर्मचारी की टाइपिंग गति धीमी है, तो उसे सुधार के लिए एक माह का समय दिया जाए, लेकिन तत्काल हटाया न जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि विभाग में छह साल से निरंतर कार्यरत किसी भी कर्मचारी को न हटाया जाए, ताकि उनकी आजीविका पर संकट न आए। उन्होंने आगे कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रतिमाह पहले सप्ताह में वेतन, समय पर ईपीएफ और ईएसआई कार्ड उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। साथ ही करीब 11 माह के एरियर का भुगतान भी शीघ्र किया जाए। गोस्वामी ने चेतावनी देते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बिना यदि एजेंसी किसी भी कर्मचारी को हटाती है, तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं ज्ञापन के बाद सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने आश्वासन देते हुए संबंधित आउटसोर्स एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि कर्मचारियों को समय पर पूरा वेतन दिया जाए।

प्रभारी मंत्री को आज सौंपेंगे ज्ञापन

म.प्र. संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा 10 दिसंबर को मुरार सर्किट हाउस में प्रभारी मंत्री को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 से लागू पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन का 11 माह का एरियर अब तक कर्मचारियों को नहीं दिया गया है। वहीं पीएनसी डबरा के कर्मचारियों को दो माह का वेतन लंबित होने से परिवारों पर रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। इसके अलावा आउटसोर्स कर्मचारियों को शासन के नियम अनुसार हर माह के प्रथम सप्ताह में वेतन भुगतान होना चाहिए, लेकिन निजी एजेंसियों की मनमानी के कारण लगातार देरी की जा रही है, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। इन्हीं प्रमुख समस्याओं सहित अन्य मुद्दों को उठाते हुए ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पेरोल पर गया बंदी फरार

■बहोड़ापुर थाना पुलिस ने की प्राथमिकी दर्ज

■ ग्वालियर

केन्द्रीय जेल से एक बार फिर बंदी पेरोल से फरार हो गया। पैरोल से बंदी फरार होने के बाद उसकी पहले जेल प्रबंधन ने अपने स्तर पर तलाश की, बाद में पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने बंदी की तलाश शुरू कर दी है। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित केंद्रीय जेल में रामलखन पुत्र केशव सिंह राठौर 28 वर्ष निवासी टेंटरा जिला मुरैना सजा काट रहा था। रामलखन को 15 दिन की पैरोल पर छोड़ा गया था। बंदी की जमानत छोटी बाई पत्नी देवी सिंह कुशवाह निवासी ग्राम प्रहलादपुर श्योपुर ने दी थी। रामलखन को जेल में वापस 7 दिसम्बर को लौटना था लेकिन वह समय सीमा में जेल में नहीं लौटा तो उसकी तलाश की गई। काफी प्रयास करने के बाद जेल प्रबंधन रामलखन राठौर की तलाश नहीं कर सका और बंदी फरार हो गया। जब बंदी वापस नहीं लौटा तो जेल प्रहरी गजेन्द्र सिंह चौहान ने बहोड़ापुर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बंदी के खिलाफ धारा 262, 49, 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

एमिटी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, 340 यूनिट रक्त एकत्र

ग्वालियर। एमिटी विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा जयारोग्य अस्पताल एवं ब्लड बैंक के सहयोग से सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ संस्थान के कुलगुरु प्रो. डॉ. आर.एस. तोमर व जीवाजी विश्वविद्यालय एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ. हरिशंकर कंसाना ने किया। शिविर में 200 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों सहित फैकल्टी, छात्र और स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शिविर में कुल 340 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रचना कठल और डॉ. मनीष दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रो चांसलर वी.के. शर्मा और एनएसएस चेयरमैन डॉ. राघवेन्द्र शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

एनसीआर प्रयागराज व एससीआर सिकंदराबाद फाइनल में

84वीं अभा सिंधिया स्वर्ण कप हॉकी प्रतियोगिता का समापन आज

■ ग्वालियर

84वीं अखिल भारतीय सिंधिया स्वर्ण कप हॉकी प्रतियोगिता के 8वें दिन एससीआर सिकंदराबाद ने मुम्बई को हराकर व एनसीआर प्रयागराज ने कपूरथला को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 10 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से खेला जाएगा। प्रतियोगिता के समापन समारोह में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम दोपहर 1:30 बजे किया जाएगा। उपायुक्त सह खेल अधिकारी सत्यपाल सिंह चौहान ने बताया कि रेलवे हॉकी स्टेडियम लोको हजीरा के हरे-भरे मैदान पर आयोजित की जा रही 84वीं अखिल भारतीय सिंधिया स्वर्ण कप हॉकी प्रतियोगिता के 8वें दिन पहला सेमीफाइनल मैच सीटीसी मुम्बई व एससीआर सिकंदराबाद के बीच खेला गया। सेमीफाइनल के इस पहले मुकाबले में सिकंदराबाद की टीम शुरू से ही दूसरी टीम पर भारी रही और एक के बाद एक लगातार 5 गोल मारकर 5-1 से फाइनल में प्रवेश किया। सिकंदराबाद की टीम से प्रताप व मनीश ने 2-2 गोल किए और सुमन ने एक गोल किया। वहीं मुम्बई की ओर से एक मात्र गोल प्रथमेश ने किया। इसी क्रम में सहायक खेल अधिकारी अयोध्याशरण शर्मा ने बताया कि दूसरे सेमीफाइनल मैच में आरसीएफ कपूरथला व एनसीआर प्रयागराज की टीमों ने जमकर संघर्ष किया और दोनों ही टीमों के खिलाड़ी लगातार गोल के लिए तरसते रहे। पहले एनसीआर प्रयागराज की टीम ने एक गोल किया। इसके बाद में बड़े संघर्ष के साथ कपूरथला की टीम ने एक गोल मारकार मुकाबला बराबर कर लिया और मैच के आखिरी तक स्कोर एक-एक पर ही रहा। फिर निर्णय पेनल्टी शूट आउट से होने पर एनसीआर प्रयागराज की टीम ने 4-1 से मुकाबला जीत लिया।

साहित्य साधना संसद की काव्य संध्या आयोजित

ग्वालियर। साहित्य साधना संसद की काव्य संध्या सनातन धर्म मंदिर के राधा कुटीर में आयोजित की गई। महाकवि सुमित्रानंदन पंत, डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन, जगन्नाथप्रसाद मिलिन्द एवं डॉ. कृष्णमुरारी शर्मा को समर्पित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शिवप्रकाश मिश्र थे। अध्यक्षता डॉ. कृष्णमुरारी शर्मा ने की। संचालन कादम्बरी आर्य ने किया। काव्य संध्या में राजकिशोर वाजपेयी 'अभय' डॉ. शिवप्रकाश मिश्र, पुष्पा सिसौदिया, चेतराम सिंह भदौरिया, राजेश अवस्थी लावा, सीता चौहान,श्वेता गर्ग स्वाति, प्रतिपाल सिंह राजावत, बीथिका तिवारी आदि ने काव्यपाठ किया।

सूने घर का ताला तोड़ चेन व अंगूठी उड़ा ले गए चोर

■ ग्वालियर

चोरों ने शिक्षक के सूने घर को निशाना बनाकर ताले चटका दिए। चोर घर से सोने चांदी के गहने चोरी करके जिस रास्ते से आए थे उसी से फरार हो गए। चोरी का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद चोरों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुरानी छावनी थाना क्षेत्र स्थित देव नगर कॉलोनी में शिक्षक सुग्रीव लाल पुत्र स्व.मंगलाराम जाटव 56 वर्ष रहते हैं। 28 नवंबर को वह अपने गांव सबलगढ़ बामसोली गए थे। जाते समय घर पर ताले लगाकर गए थे। चोरों की सूने मकान पर नजर पड़ गई और मौका

मिलते ही उन्होंने ताले तोड़ डाले। 8 दिसम्बर को जब शिक्षक लौटकर घर आए और घर का नजारा देखा तो माजरा समझ गए कि चोरों ने घर में धावा बोला है। चोर घर से सोने चांदी के गहने चोरी करके ले गए थे। चोरी का पता चलने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद फरियादी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

बड़ी सफलता अच्छी आदतों से शुरू होती है: प्रहलाद भाई

ग्वालियर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय की भगिनी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के युवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे परीक्षा मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत शिवपुरी रोड स्थित किडीज कॉर्नर स्कूल में विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मोटिवेशनल स्पीकर बीके प्रहलाद भाई थे। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि अनुशासन वह चाबी है जो हर सफलता का दरवाजा खोलती है। समय पर जागना, समय पर सोना, समय पर होमवर्क करना, साफ-सफाई रखना, बड़ों का सम्मान करते हुए उनकी बात मानना और परेशानी आने पर घबराना नहीं। यह सब अनुशासन का ही हिस्सा है।

संस्कार केंद्र संचालन से ग्राम विकास पर प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

गाय की सेवा व संरक्षण से होगा गांवों का विकास : ऋषभदेवानंद

■ ग्वालियर

गौ सेवा न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह ग्राम विकास, कृषि संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाती है। जैविक खाद, ग्रामीण रोजगार और संस्कृति संरक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई देता है।

यह बात लाल टिपारा आदर्श गौशाला के संत ऋषभ देवानंद महाराज ने संस्कार केंद्र संचालन से ग्राम विकास विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। विवेकानंद केंद्र नीडम में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उद्योगपति प्रसाद व्यास, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. वकुल लाड, विवेकानंद केंद्र मध्य प्रांत की प्रभारी रचना दीदी रही। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी नीडम ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में ऋषभ देवानंद महाराज ने गौशाला की स्थापना, सतत गौ सेवा कार्य एवं समाज के सहयोग से वर्तमान आदर्श स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने ग्राम विकास में गौ सेवा संवर्धन को महत्वपूर्ण बताया। रचना दीदी ने विवेकानंद क्रेंद का उद्देश्य एवं कार्यशाला की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। प्रसाद व्यास ने ग्राम विकास विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. वकुल लाड ने मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की अवधारणा एवं कार्य क्षेत्र की जानकारी दी। कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु प्रतिनिधि के रूप में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के 25 जिलों से एक-एक विकासखंड समन्वयक और एक-एक सामाजिक कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। कार्यशाला में गौशाला प्रबंधन, निरामय, नर्सरी निर्माण ,पर्यटन मित्र एवं ग्राम विकास विषय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सोनिया गांधी के जन्मदिन पर डॉ. सिकरवार ने 251 महिला कार्यकर्ताओं को बांटी साड़ी

■ ग्वालियर

कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का त्याग व समर्पण हम सबके लिए प्रेरणादायी है, वह चाहती तो देश में एक नहीं दो बार प्रधानमंत्री बन जाती, मगर उन्होंने पार्टी को महत्व दिया, न कि प्रधानमंत्री पद को। सोनिया गांधी ने हमेशा कांग्रेस की मजबूती के लिए काम किया और कर रही हैं। यह बात कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने मंगलवार को सोनिया गांधी के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर

मिष्ठान वितरण और आतिशबाजी की गई। साथ ही 251 महिला कार्यकर्ताओं को साड़ी एवं मिष्ठान भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर राम पाण्डे, रामअवतार जाटव, गायत्री सुधीर मण्डेलिया, अवधेश कौरव, वीणा भारद्वाज, सुनीता तोमर, विनोद जैन, देवेन्द्र चौहान, अनूप शिवहरे, केदार बरहादिया, सुरेन्द्र साहू, अंकित कठठ्ल, प्रमोद खरे, सतेन्द्र नागर आदि मंचासीन रहे।

मंत्र भारत
ग्वालियर-गुरूवार,11 दिसम्बर 2025

संपादकीय

बच्चों पर संकट

इस सदी के ढाई दशक में बाल मृत्यु दर घटने को दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब इस सदी में पहली बार बाल मृत्यु दर में वृद्धि की आशंका जतायी जा रही है। गेट्स फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है दुनिया भले ही अमीर हो गई है लेकिन गरीब देशों के बच्चों पर होने वाला खर्च घटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, धनी देशों द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य खर्च पर 27 फीसदी की कटौती की गई है। जिससे इस वर्ष दो लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, ये मौतें उन बीमारियों से हो सकती हैं, जिन्हें अमीर देशों से मिलने वाली मदद से होने वाले टीकाकरण और बुनियादी इलाज से टाला जा सकता था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं कि जिस समय दुनिया में संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ रही है, उस समय गरीब देशों के बच्चों पर स्वास्थ्य खर्च का घट जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि स्वास्थ्य सहायता में तीस प्रतिशत की कटौती हो जाती है तो वर्ष 2045 तक 1.6 करोड़ अतिरिक्त बच्चों की मौत हो सकती है। विडंबना देखिए कि इस आसन्न संकट को नजरअंदाज करके विकसित देश अपने रक्षा व आंतरिक खर्च को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जबकि अमीर देशों द्वारा गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दिया जाने वाला पैसा उनके बजट के एक फीसदी से भी कम है। गेट्स फाउंडेशन का विश्व के अमीर देशों से आग्रह है कि वे दुर्लभ संसाधनों को उन स्थानों पर लक्षित करें, जहां वे सबसे अधिक जीवन बचा सकते हैं। दरअसल, संकट में वे बच्चे हैं, जो अपना पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले ही मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं। इस संकट बढ़ने से दशकों से हासिल वैश्विक प्रगति बेकार हो जाएगी। निस्संदेह, दुनिया में कहीं भी पैदा हुए बच्चे को जीवित रहने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए। दरअसल, गेट्स फाउंडेशन की गोलकीपर्स रिपोर्ट और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन ने बताया कि 2024 में, 4.6 मिलियन बच्चों की पांचवें जन्मदिन से पहले मौत हो गई थी। आशंका है कि आर्थिक मदद में कटौती से इस वर्ष इस संख्या में दो लाख की वृद्धि से इसके बढ़कर 4.8 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की आशंका है। जिसकी मूल वजह स्वास्थ्य के लिये वैश्विक मदद में आई बड़ी गिरावट है। इस वर्ष सहायता निधि में भारी कटौती के अलावा गरीब देशों के बढ़ते कर्ज, कमजोर स्वास्थ्य सिस्टम के चलते मलेरिया, एचआईवी और पोलियो जैसी बीमारियों के विरुद्ध हासिल उपलब्धियों को खोने का जोखिम बढ़ सकता है। हालिया रिपोर्ट बताती है कैसे प्रमाणित समाधानों और अगली पीढ़ी के नवाचारों में लक्षित निवेश से सीमित बजट में लाखों बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के ये बच्चे सुरक्षित जीवन पाने के हकदार हैं। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स कहते हैं विश्व में गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिये वित्तीय संसाधन बढ़ाने व वर्तमान सिस्टम में सुधार हेतु दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। हमें कम संसाधनों में अधिक काम करना होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो हमारी पीढ़ी के दामन पर दाग लगेगा कि मानव इतिहास में सबसे उन्नत विज्ञान और नवाचार की पहुंच के बावजूद हम लाखों बच्चों का जीवन बचाने के लिये धन नहीं जुटा पाए। हम सही प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धताएं तय करके तथा उच्च प्रभाव वाले समाधानों में निवेश करके बाल मृत्यु दर वृद्धि को रोक सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो हम वर्ष 2045 तक कई मिलियन बच्चों को जीवित रहने में मदद कर सकते हैं। इसके लिये जरूरी होगा कि हम विदेशी मदद का अधिकतम उपयोग करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, नियमित टीकाकरण, गुणवत्ता के टीके और डेटा के नये उपयोग पर अधिक ध्यान दें। निस्संदेह, इन बीमारियों से लड़ने के लिये वैश्विक प्रतिबद्धता को जारी रखने की जरूरत है। गेट्स फाउंडेशन का मानना है कि अगली पीढ़ी के नवाचारों के विकास में निवेश से हम बच्चों में होने वाले मलेरिया और निमोनिया जैसे कुछ घातक रोगों को हमेशा के लिये खत्म कर सकते हैं।

गोवा अग्निकांड: असली दोषी कहां हैं

> हालांकि मरने वालों में 20 लोग क्लब के कर्मचारी थे और उनके साथ पांच पर्यटकों की मौत हुई। इनमें से चार तो दिल्ली के एक ही परिवार के सदस्य थे। शनिवार रात के हादसे के बाद रविवार सुबह ही मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने क्लब का दौरा करते हुए जांच के आदेश दिए थे। साथ ही चेतावनी थी कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अब सवाल ये है कि इस हादसे का दोषी किसे माना जाएगा। प्रत्यक्ष तौर पर तो क्लब के मालिकान सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा ही हादसे के दोषी हैं, और उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई। लेकिन ये दोनों भाई तो रविवार सुबह साढ़े पांच बजे ही देश छोड़कर निकल चुके थे। मतलब मुख्यमंत्री जब दोषियों को पकड़ने के आदेश दे रहे थे, जिस वक्त पुलिस मौके पर सबूत जुटा रही थी और आग बुझाने की कोशिशें चल रही थीं, उस समय तक लूथरा बंधु देश से निकल चुके थे। ये भाजपा के सख्त प्रशासन की असलियत है।

गोवा के रोमियो लेन नाइट क्लब में शनिवार रात लगी आग में 25 लोग अकाल मौत मारे गए। यह हादसा गोवा की बड़ी त्रासदियों में से एक माना जा रहा है। अक्टूबर से लेकर फरवरी-मार्च तक गोवा में पर्यटकों की भीड़ होती है। खासकर विदेशी पर्यटकों के लिए यह बड़ा आकर्षण का केंद्र रहा है। जम्मू-कश्मीर की तरह गोवा का मुख्य व्यवसाय भी पर्यटन ही है। लेकिन इस घटना ने गोवा में पर्यटकों की सुरक्षा पर बड़ा निशान खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त क्लब में आग लगी, करीब डेढ़ सौ लोग वहां थे। हालांकि मरने वालों में 20 लोग क्लब के कर्मचारी थे और उनके साथ पांच पर्यटकों की मौत हुई। इनमें से चार तो दिल्ली के एक ही परिवार के सदस्य थे। शनिवार रात के हादसे के बाद रविवार सुबह ही मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने क्लब का दौरा करते हुए जांच के आदेश दिए थे। साथ ही चेतावनी थी कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अब सवाल ये है कि इस हादसे का दोषी किसे माना जाएगा। प्रत्यक्ष तौर पर तो क्लब के मालिकान सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा ही हादसे के दोषी हैं, और उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई। लेकिन ये दोनों भाई तो रविवार सुबह साढ़े पांच बजे ही देश छोड़कर निकल चुके थे। मतलब मुख्यमंत्री जब दोषियों को पकड़ने के आदेश दे रहे थे, जिस वक्त पुलिस मौके पर सबूत जुटा रही थी और आग बुझाने की कोशिशें चल रही थीं, उस समय तक लूथरा बंधु देश से निकल चुके थे। ये भाजपा के सख्त प्रशासन की असलियत है। हैरानी की बात ये है कि सात दिसम्बर की सुबह लूथरा बंधु भाग चुके थे और शायद पुलिस इससे बेखबर थी, क्योंकि सात तारीख की शाम को

गोवा पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली पुलिस ने लूथरा बंधुओं के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया था। जबकि मुंबई में ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने जानकारी दी कि दोनों भाई सात दिसंबर की सुबह 5.30 बजे यानी घटना के फौरन बाद इंडिगो की सीधी फ्लाइट से थाइलैंड के फुकेत भाग चुके थे। अब गोवा पुलिस दोनों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए इंटरपोल से मदद ले रही है। लेकिन पिछले अनुभव बताते हैं कि भगोड़ों को वापस लाने में मोदी सरकार नाकाम ही रही है। विजय माल्या, नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चोकसी ये सब कहां हैं, क्या कर रहे हैं, इसकी जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। इनमें से कुछ भगोड़े तो विदेश में आलीशान दावतें करते हैं और देश से कई नामी-गिरामी लोग उन दावतों में शामिल होते हैं, फिर भी इनका बाल भी बांका नहीं होता, क्योंकि धन और सत्ता का रक्षाकवच इनके पास है। अब देखना होगा कि लूथरा बंधुओं को यह कवच मिलता है या नहीं। वैसे थाइलैंड भागने की उनकी योजना बताती है कि वो कितने शातिर हैं। थाईलैंड में भारतीयों को प्रवेश करने पर वीजा मिल जाता है। ऐसे में उन्हें थाइलैंड जाने में कोई दिक्कत नहीं हुई। फुकेत एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र है और यहां हर दिन बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं। ऐसे में किसी भारतीय के लिए यहां भीड़ में घुलमिल जाना और अपनी पहचान छिपाना भी आसान है। वहीं लूथरा बंधुओं का होटल और क्लब बिजनेस भारत समेत और चार देशों में फैला हुआ है। हो सकता है कि थाईलैंड में उन्हें अपने व्यावसायिक रिश्तों से कुछ मदद मिल रही हो। बहरहाल, इन दोनों आरोपियों के फुकेत में होने की जानकारी होने के बावजूद क्या उन्हें वापस लाना संभव होगा, यह एक उलझा हुआ सवाल है। 2015 में थाईलैंड से भारत की प्रत्यर्पण संधि हुई थी, इसके बावजूद सरकार को ये साबित करना होगा कि दोनों के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं और उनके भारत लौटने से जांच आगे बढ़ेगी। प्रत्यर्पण के मामलों में विदेशी अदालतें भी सबूत, मामले की गंभीरता और मानवाधिकारों का आकलन करती हैं, जिसके कारण प्रक्रिया लंबी और जटिल हो जाती है। इसलिए पहले तो लूथरा बंधुओं को ढूंढना होगा और अगर वे मिल गए तो उन्हें वापस लाने की लंबी प्रक्रिया पूरी करनी होगी, तब जाकर प्रमोद सावंत की दोषियों को सजा देने वाली बात सही होगी। वैसे लूथरा बंधुओं के देश में 22 शहरों में रेस्तरां, बार और क्लब चलते हैं। बताया जाता है कि दिल्ली के सिविल लाइन्स में भी एक रेस्तरां है, जिसमें तय क्षमता से अधिक ग्राहकों को बैठाने के लिए स्वच्छता को लेकर एमसीडी ने पिछले साल नोटिस जारी किया था। मगर रेस्तरां और बार दोनों चल रहा है। और एमसीडी ने क्या कार्रवाई की, कुछ पता नहीं। इसलिए प्रमोद सावंत जब दोषियों की बात करते हैं, तो यहां मालिकान के अलावा उन दोषियों की शिनाख्त भी करनी चाहिए जिनके कारण नियमों का उल्लंघन कर ऐसी इमारतें बनती हैं और व्यवसाय संचालित होते हैं। गोवा में जहां रोमियो लेन का क्लब था, वो तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के अंतर्गत आने वाला एक पूर्व साल्टपैन है, जहां इंटरटाइडल पैच यानी उच्च ज्वार और निम्न ज्वार का क्षेत्र होने के कारण निर्माण की अनुमति नहीं है। फिर भी क्लब बना और चल भी रहा था। इसकी छत लकड़ी की थी और जब क्लब के भीतर इलेक्ट्रिक पटाखे चलाए गए, उसकी चिंगारियों से छत ने आग पकड़ी और फिर सारा क्लब जलकर राख हो गया। क्लब में आने-जाने का रास्ता एक ही था और अंदर फंसे लोग जान बचाने के लिए बेसमेंट की तरफ भागे। जहां दम घुटने से उनकी मौत हो गई। गोवा सरकार के अनुसार, क्लब में आग से बचने का कोई भी प्रबंधन नहीं किया गया था। यह क्लब खुद को श्आइलैंड क्लबश् के नाम से प्रमोट करता था, जहां तक पहुंचने का रास्ता काफी संकरा था। ऐसे में आग लगने के बाद दमकल की गाड़ियां भी 400 मीटर से पहले रुक गईं और समय पर आग न बुझने के कारण कई लोगों की जान चली गई। क्लब के मरने वाले कर्मचारी असम, बंगाल, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल से आए थे। रोजगार के लिए अपना गांव-शहर छोड़कर आने वाले इन लोगों को क्या मुआवजे से इंसाफ मिल पाएगा। फिलहाल पुलिस ने नाइट क्लब के चीफ जनरल मैनेजर, गेट मैनेजर, बार मैनेजर और जनरल मैनेजर को गिरफ्तार किया है। क्या इन का दोष मालिकों और अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले अधिकारियों से ज्यादा है। क्या 25 लोगों की अकाल मौत के बाद भी भाजपा अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ पाएगी, सोचना होगा।

वदीर्धारी तानाशाहों की बदनाम परम्परा

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

शेखर गुप्ता

बीसवीं सदी से दुनिया कई वदीर्धारी तानाशाहों को देखती आ रही है। लेकिन पाकिस्तान ने फौजी हुकूमत के जितने नए-नए रूप पेश किए हैं, उतने किसी और देश ने नहीं किए। सबसे ताजा और हैरतअंगेज रूप यह है कि आसिम मुनीर को अगले पांच साल के लिए आर्मी चीफ और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह पाकिस्तानी फौज के इतिहास के हिसाब से भी अविश्वसनीय है। इसे इस तरह देखिए। पिछले 75 वर्षों में पाकिस्तान में 29 वजीर-ए-आजम (प्राइम मिनिस्टर) हुए, लेकिन कोई भी पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया, क्योंकि फौज ने उन्हें ऐसा नहीं करने दिया। लेकिन मुनीर ने मौजूदा प्रधानमंत्री से खुद को पांच साल के लिए सीडीएस नियुक्त करवा लिया। यह एक फौजी तानाशाह की ऐसी खोज है, जिसे टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में टेस्ला या पलानतीर की उपलब्धियों के बराबर माना जा सकता है। पहले तो मुनीर ने शरीफ की हुकूमत को राजी किया कि वह उन्हें उनकी रिटायरमेंट की तारीख से एक दिन पहले सेना अध्यक्ष नियुक्त कर दे, जबकि वर्तमान सेना अध्यक्ष कमर जावेद बाजवा पद पर कायम ही थे। इस तरह पाकिस्तान को दो दिन के लिए दो सेनाध्यक्ष मिल गए थे। मुनीर का तीन साल का कार्यकाल 28 नवंबर को खत्म हुआ तो वे उस दिन रिटायर हो गए, लेकिन एक सप्ताह तक- जब तक कि उन्हें सीडीएस और सेनाध्यक्ष नियुक्त करने की अधिसूचना जारी नहीं हुई- वे फौज के प्रमुख बने रहे। मेरे ख्याल से उन्हें पिछली तारीख से नियुक्त किया गया होगा, वरना कोई भी ऑडिटर बिना किसी नौकरी के एक सप्ताह का वेतन दिए जाने पर आपत्ति करता। बेशक ऐसा करने की हिम्मत कोई बेपरवाह गुस्ताख ऑडिटर ही करेगा। अभी और भी बहुत कुछ जान लीजिए। उन्होंने इमरान खान और उनकी पत्नी को जेल में बंद करके उनकी पार्टी को 2024 का चुनाव लड़ने नहीं दिया और धांधली करके अपनी पसंद के शाहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बना दिया। फिर वे उसी प्रधानमंत्री से खुद को प्रमोट करवा के फील्ड मार्शल बन बैठे और मुल्क के संविधान में 27वां संशोधन करवा के खुद को जीवन भर के लिए फील्ड मार्शल भी बनवा लिया। यही नहीं, सीडीएस को पांच साल के कार्यकाल के साथ सभी सेनाओं का बॉस बनवा लिया और यह भी व्यवस्था करवा ली कि उस पर कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा। सार यह कि जनरल साहब जीवन भर के लिए मुकदमे आदि से मुक्त फील्ड मार्शल बन गए और सेना अध्यक्ष का तीन साल का अपना कार्यकाल पूरा करने के साथ ही पांच साल के लिए सीडीएस बन गए। यह सब एक निर्वाचित प्रधानमंत्री, संसद, संविधान के मार्फत हुआ, जिसमें संशोधन को उन सांसदों ने मंजूर किया, जो विपक्ष-मुक्त चुनाव जीत कर आए हैं। पाकिस्तान के फौजी तानाशाहों के इतिहास में सबसे नया अध्याय उसके संविधान और संसद की मंजूरी से जोड़ा गया है। मानो पाकिस्तान में सर्वोच्च पदों के लिए निर्वाचित दो व्यक्तियों- प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने अपनी सियासी मौत के परवाने पर खुद ही दस्तखत कर दिया हो। किसी असैनिक सरकार ने फौजी जनरल को सत्ता संभालने के लिए आमंत्रित किया हो, यह पाकिस्तान के लिए कोई अनहोनी घटना नहीं है। 1958 में, असैनिक राष्ट्रपति इस्कंदर मिर्जा ने मार्शल लॉ लागू करके जनरल मुहम्मद अय्यूब खान को चीफ मार्शल लॉ एडमिनिस्ट्रेटर (सीएमएलए) नियुक्त किया था। अय्यूब ने मिर्जा को ही बर्खास्त कर दिया, खुद राष्ट्रपति बन बैठे और एक गुमनाम, मुफीद शख्स मुहम्मद मूसा खान को अपने मातहत सेना अध्यक्ष बना दिया। लेकिन तब यह सवाल खड़ा हो गया कि एक जनरल किसी जनरल को ही कैसे रिपोर्ट करे? सो, अय्यूब ने खुद को फील्ड मार्शल नियुक्त कर लिया। मूसा 1966 तक पद पर रहे। इसने पाकिस्तानी सेना अध्यक्षों के लिए लंबे कार्यकाल का रास्ता बना दिया। तुलना करें तो पाकिस्तान में अब तक केवल 17 सेना अध्यक्ष हुए हैं, जबकि भारत में अभी 31वें सेना अध्यक्ष पद पर आसीन हैं। 2030 में मुनीर जब अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, तब तक भारत को 33वें सेना अध्यक्ष मिल चुके होंगे। अय्यूब ने पार्टी विहीन, निर्देशित लोकतंत्र का आविष्कार किया, फर्जी चुनाव करवाए और जिन्ना की बहन फातिमा को भी चुनाव में हरवा दिया। अय्यूब ने कमान जनरल याा खान को सौंपी।

निर्यात के बाजार में अब हमें नए सहयोगी तलाशने होंगे

> लेकिन अब ट्रम्प टैरिफ के चलते भारत के इस सीढ़ी पर कुछ पायदान नीचे गिरने का जोखिम है। गत सितम्बर में भारत का माल व्यापार घाटा 13 महीनों के उच्चतम स्तर (32.15 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। जबकि अगस्त में यह 26.49 अरब डॉलर था। सितम्बर में अमेरिका को हुआ निर्यात 5.4 अरब डॉलर का रह गया, जो अगस्त में 6.9 अरब डॉलर था। अक्टूबर में और गिरावट हुई और अमेरिका को हमारा निर्यात पिछले साल इसी महीने की तुलना में 9ः गिर गया। यह किसी अमूर्त मैक्रो-इकोनॉमिक मसले जैसा नहीं है। भारत में ट्रम्प टैरिफ की सबसे ज्यादा मार टेक्स्टाइल्स, चमड़ा, जेम्स एंड ज्वैलरी, जूते, हैंडीक्राफ्ट, सी-फूड जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों पर पड़ी है। इन सेक्टरों में बड़ी संख्या में महिलाओं समेत लाखों श्रमिक कार्यरत हैं। अमेरिकी प्रशासन जहां अपनी भू-राजनीतिक जोर-आजमाइश में व्यस्त है, वहीं इन गरीब श्रमिकों के लिए रोजी-रोटी का सवाल आ खड़ा हुआ है। टेक्स्टाइल्स एंड अपैरल क्षेत्र को तो बड़ा झटका लगा है। 2024-25 में इस सेक्टर में भारत ने अकेले अमेरिका को 10.9 अरब डॉलर का निर्यात किया था, जो भारत के कुल परिधान निर्यात का 35ः था। लेकिन इस उद्योग के लिए टैरिफ दरों के 13.9ः से 63.9ः होते ही भारतीय कपड़े अपने सबसे बड़े बाजार से बाहर हो गए। निमार्ता अब महज टैरिफ कम होने के भरोसे नहीं रह सकते। बांग्लादेश और वियतनाम अमेरिकी ग्राहकों को कपड़े बेचने लगे हैं। पाकिस्तान डेनिम और ऊन बेच रहा है। कम्बोडिया फास्ट-फैशन निट्स का नया हब बन रहा है। अमेरिका के तटीय देश मैक्सिको और काफ्टा-डीआर ब्लॉक- जिसमें अमेरिका, डोमिनिकन गणराज्य के अलावा मध्य अमेरिका के पांच देश शामिल हैं।

शशि थरूर

ट्रम्प के 50ः टैरिफ हमारी निर्यात-अर्थव्यवस्था को बदल रहे हैं। भारत द्वारा अमेरिका को बेचा जाने वाला बहुत सारा सामान अब बेहद महंगा हो गया है। बीते दो दशकों को देखें तो 2005 में वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 1.2ः थी, जो 2023 में 2.4ः हो गई। इसके पीछे निर्यातकों, नीति-निमार्ताओं, कामगारों की अथक मेहनत थी। उन्होंने समझा था कि ट्रेड ही विकास की सीढ़ी है। लेकिन अब ट्रम्प टैरिफ के चलते भारत के इस सीढ़ी पर कुछ पायदान नीचे गिरने का जोखिम है। गत सितम्बर में भारत का माल व्यापार घाटा 13 महीनों के उच्चतम स्तर (32.15 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। जबकि अगस्त में यह 26.49 अरब डॉलर था। सितम्बर में अमेरिका को हुआ निर्यात 5.4 अरब डॉलर का रह गया, जो अगस्त में 6.9 अरब डॉलर था। अक्टूबर में और गिरावट हुई और अमेरिका को हमारा निर्यात पिछले साल इसी महीने की तुलना में 9ः गिर गया। यह किसी अमूर्त मैक्रो-इकोनॉमिक मसले जैसा नहीं है। भारत में ट्रम्प टैरिफ की सबसे ज्यादा मार टेक्स्टाइल्स, चमड़ा, जेम्स एंड ज्वैलरी, जूते, हैंडीक्राफ्ट, सी-फूड जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों पर पड़ी है। इन सेक्टरों में बड़ी संख्या में महिलाओं समेत लाखों श्रमिक कार्यरत हैं। अमेरिकी प्रशासन जहां अपनी भू-राजनीतिक जोर-आजमाइश में व्यस्त है, वहीं इन गरीब श्रमिकों के लिए रोजी-रोटी का सवाल आ खड़ा हुआ है। टेक्स्टाइल्स एंड अपैरल क्षेत्र को तो बड़ा झटका लगा है। 2024-25 में इस सेक्टर में भारत ने अकेले अमेरिका को 10.9 अरब डॉलर का निर्यात किया था, जो भारत के कुल परिधान निर्यात का 35ः था। लेकिन इस उद्योग के लिए टैरिफ दरों के 13.9ः से 63.9ः होते ही भारतीय कपड़े अपने सबसे बड़े बाजार से बाहर हो गए। निमार्ता अब महज टैरिफ कम होने के भरोसे नहीं रह सकते। बांग्लादेश और वियतनाम अमेरिकी ग्राहकों को कपड़े बेचने लगे हैं। पाकिस्तान डेनिम और ऊन बेच रहा है। कम्बोडिया फास्ट-फैशन निट्स का नया हब बन रहा है। अमेरिका के तटीय देश मैक्सिको और काफ्टा-डीआर

ब्लॉक- जिसमें अमेरिका, डोमिनिकन गणराज्य के अलावा मध्य अमेरिका के पांच देश शामिल हैं- ने अमेरिकी रिटेलर्स को कम समय में और टैरिफ-फ्री सप्लाई की पेशकश की है। जब तक टैरिफ कम होंगे, पूरी सप्लाई चेन बदल चुकी होगी। हम बाजार में कड़ी मेहनत के दम पर बनाई हिस्सेदारी खो देंगे। भारतीय कार्पेट सेक्टर का भी 60ः निर्यात अमेरिका को होता है। लेकिन इन उत्पादों पर टैरिफ 2.9ः से सीधे 52.9ः होने के कारण अमेरिकी ग्राहक तुर्किए, चीन और मिस्र में तुर्की-स्वामित्व वाली मिलों का रुख कर रहे हैं। चमड़े के मामले में भी अमेरिकी बाजार भारतीय उत्पादों के लिए बंद होते जा रहे हैं। जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर तो सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। सितम्बर में मुम्बई के सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन (एसईईपीजेड) से इन उत्पादों के निर्यात में बीते साल के सितम्बर की तुलना में 71 से 76ः तक की गिरावट आई है। इससे क्षेत्र के हजारों कारीगरों, पॉलिश करने वालों और उद्यमियों के लिए आजीविका का संकट पैदा हो गया है। कई निर्यातकों ने टैरिफ को भांपते हुए पहले ही निर्यात खेप भेजने की कोशिश की थी। और इसीलिए मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में अमेरिका को भारत का निर्यात 13ः बढ़कर 45.8 अरब डॉलर पहुंच गया। लेकिन टैरिफ लागू होते ही ऑर्डर थम गए। ऐसे में हमें अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण-पूर्व एशिया में टेक्स्टाइल्स, चमड़ा, प्रोसेस्ड फूड की बढ़ती मांग का फायदा उठाते हुए ग्लोबल साउथ के भीतर ही व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने चाहिए। हमें बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका के साथ मिलकर क्षेत्र के लिए एकीकृत टेक्स्टाइल्स एंड अपैरल सप्लाई चेन बनानी चाहिए। यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि यदि अमेरिका को सीधा निर्यात घटता भी है तो यह सप्लाई चेन वैश्विक संदर्भ में प्रासंगिक बनी रहे। ऑस्ट्रेलिया और यूएई से मुक्त व्यापार समझौतों को लागू करने के लिए भरसक प्रयास भी करने चाहिए, ताकि पूर्व में अमेरिका जाने वाले कुछ उत्पादों खपत तो की जा सके। ये बदलाव रातोंरात नहीं हो सकते।

दक्षिण अफ्रीका के कोच एशवेल प्रिंस ने अपने बल्लेबाजों को लगाई लताड़

कटक। प्रिंस ने मैच के बाद कहा, 'इस तरह के बल्लेबाजी प्रदर्शन के बाद जाहिर है कि यह एक ऐसा विभाग है जिसमें हमें जल्द से जल्द सुधार करना होगा।' दक्षिण अफ्रीका के भारत के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपने न्यूनतम स्कोर 74 रन पर आउट होने के बाद उसके बल्लेबाजी कोच एशवेल प्रिंस ने कहा कि उनके बल्लेबाज भारत के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण की चुनौती का जवाब देने में नाकाम रहे। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका सहज रवैया खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। दक्षिण अफ्रीका की टीम 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 12.3 ओवर में आउट हो गई और इस तरह से भारत ने 101 रन से बड़ी जीत हासिल की।

कृतिका कामरा ने कंफर्म किया रिलेशनशिप! इस हैंडसम हंक को डेट कर रही हैं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस कृतिका कामरा पिछले काफी समय से अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिनों एक्ट्रेस ने एक तस्वीर शेयर कर हिंट दिया था कि वह रिलेशनशिप में हैं, लेकिन यह नहीं बताया था कि वह किसे डेट कर रही हैं। वहीं, अब लगता है कृतिका ने अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल कर दिया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें गौरव कपूर भी हैं। इन तस्वीरों को देखने के बाद लग रहा वह गौरव को डेट कर रही है। फैंस उनकी फोटोज पर प्यार लुटा रहे हैं और उन्हें बधाई दे रहे हैं। कृतिका कामरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गौरव कपूर संग कई तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा-ब्रेकफास्ट विद.. इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने गौरव के साथ फोटोज को कोलाज बनाकर शेयर किया है और दोनों ब्रेकफास्ट करते नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को कृतिका के फैंस खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। गौरव कपूर दिल्ली के रहने वाले हैं और टीवी प्रेजेंटर हैं। इसके साथ ही वह फिल्म और टीवी एक्टर भी हैं। गौरव कपूर ने अपने करियर की शुरूआत एफएम रेडियो से की थी और बाद में चौनल वी पर वीजे बन गए। निजी जिंदगी की बात करें, तो गौरव की शादी 2016 में एक्ट्रेस और मॉडल किरत भट्टल से हुई थी। लेकिन अब रिपोट्र्स हैं कि दोनों अलग हो चुके हैं और इसीलिए वे अब कृतिका के साथ रिलेशनशिप में हैं।

पटियाला में दिलजीत की फिल्म की शूटिंग के दौरान हंगामा, बेकाबू हुई भीड़

मशहूर एक्टर और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का विवादों से गहरा नाता रहा है। वह अक्सर किसी न किसी विवाद को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। पिछली बार जहां उनकी फिल्म श्सरदार जी 3श की रिलीज को लेकर खासा घमासान छिड़ा था, वहीं, अब उनकी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के दौरान बवाल हो गया, जिसके बाद दिलजीत फिर से खबरों में आ गए हैं। दरअसल, दिलजीत दोसांझ इन दिनों इम्तियाज अली के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जो पंजाब के पटियाला शहर में हो रही है। 9 दिसंबर को किला चौक इलाके में दिलजीत की इस फिल्म की शूटिंग की जा रही थी, जहां पर माहौल काफी खराब हो गया। इस फिल्म का एक जरूरी सीन किला चौक इलाके में शूट किया जा रहा था और शूटिंग बेहद नॉर्मल शुरू हुई थी, लेकिन अचानक उस समय विवाद हो गया। दरअसल, फिल्म की शूटिंग के लिए प्रोडक्शन टीम ने आसपास की दुकानों के बाहर उर्दू में लिखे बोर्ड लगाए थे। फिल्म का सेट जब तैयार किया जा रहा था, तो इस दौरान पूरे इलाके को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया था। इसके बाद जब वहां के दुकानदार अपनी दुकानें खोलने के लिए गए, तो सिक्योरिटी ने उन्हें रोक दिया। इसी बात से नाराज दुकानदारों ने बहस शुरू कर दी और देखते ही देखते मामला भड़क गया। भीड़ एकदम से बेकाबू हो गई और तनाव का माहौल हो गया। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने वहां आकर मामले को शांत कराया। मामले के शांत होने के बाद शूटिंग को फिर से शुरू कराया गया।

श्रीराम राघवन पहली बार लेकर आए वार-ड्रामा इक्कीस, देशभक्ति और साहस से भरपूर भावनात्मक कहानी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक श्रीराम राघवन, जिन्होंने अंधाधुन, जॉनी गद्दार और बदलापुर जैसी आधुनिक थ्रिलर क्लासिक्स से अपनी अलग पहचान बनाई, अब बिल्कुल नए जॉनर में कदम रख रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म इक्कीस एक शक्तिशाली और भावनात्मक वार-ड्रामा है, जो देशभक्ति, त्याग और वीरता की सच्ची भावना को बड़े पर्दे पर उतारने जा रही है। अपने सिग्नेचर स्टाइल तेज तनाव, अनोखे मोड़ और डार्क ूमर से अलग हटकर राघवन इस बार एक ऐसी कहानी लेकर आए हैं, जो भारत के नायकों की हिम्मत और जज्बे को सलाम करती है। फिल्म में दिग्गज अभिनेता स्वर्गीय धर्मेंद्र, अगस्त्य नंदा, सिमर भाटिया और जायदीप अहलावत जैसे दमदार कलाकार नजर आएँगे, जो अपनी गहन और प्रभावशाली परफॉर्मेंस से कहानी को और मजबूत बनाते हैं। फिल्म का म्यूजिक एल्बम भी रिलीज से पहले ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। ह्लसितारेह्व और ह्लबन के दिखा इक्कीसह्व जैसे गाने सोशल मीडिया और म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर खूब सराहे जा रहे हैं, जिससे फिल्म के लिए उत्साह और भी बढ़ गया है। दिनेश विजान के मड्डॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इक्कीस इस क्रिसमस, 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

माहिका-नताशा ही नहीं, इन महिलाओं को भी डेट कर चुके हैं हार्दिक पंड्या

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के माहिका शर्मा संग रिश्ते को लेकर सारी अफवाहों पर विराम लगाते हुए अपने रिश्ते को कंफर्म किया है। बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में हार्दिक पंड्या ने अपनी इंजरी से वापसी के सफर पर बात करते हुए अपनी निजी जिंदगी के एक खास शख्स का जिक्र किया। पंड्या ने कहा, श्जब से मेरी जिंदगी में आई हैं, तब से चीजें मेरी जिंदगी में चीजें अच्छी हो रही हैं। लेकिन माहिका से पहले भी हार्दिक रिलेशनशिप में रहे चुके हैं जिसमें नताशा स्टैंकोविक से उन्होंने शादी की और दोनों का बेटा भी है। हालांकि अब दोनों अलग हो चुके हैं। इसके अलावा भी हार्दिक की जिंदगी में कई महिलाएं आई जिनसे वह रिलेशनशिप में रह चुके हैं। हार्दिक 2016 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू के आसपास कोलकाता की मॉडल लीशा शर्मा को डेट कर रहे थे। पार्टियों और इवेंट्स में साथ-साथ देखे जाने वाले इस कपल ने 2017 में करियर पर फोकस करने के लिए अलग होने से पहले खुद को लोगों की नजरों से बचाए रखा। एली अवराम

स्वीडिश-ग्रीक एक्ट्रेस एली अवराम का नाम हार्दिक के साथ शादियों और इवेंट्स के बाद जोड़ा गया जिसमें उनके भाई क्रुणाल की 2017 की शादी भी शामिल है। ऐसा एक साल तक चला, जो 2018 की शुरूआत में नताशा की सगाई की अफवाहों के बीच चुपचाप खत्म हो गया।

ईशा गुप्ता और उर्वशी रौतेला

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता का 2018 में मुंबई में एक पार्टी में हार्दिक के साथ दिखना अफेयर की चचाओं को छेड़ गया। उर्वशी रौतेला का नाम सोशल सर्कल के जरिए जोड़ा गया था। दोनों ने सीरियस रिलेशनशिप से इनकार किया जिससे हार्दिक की खिलाड़ी वाली इमेज और मजबूत हुई।

नताशा स्टेनकोविक

नताशा स्टेनकोविक 2018 में हार्दिक की जिंदगी में आईं। उन्होंने 2020 के लॉकडाउन में शादी की और नताशा ने उनके बेटे अगस्त्य को जन्म दिया, 2023 में शादी की कसमें दोहराईं, और जुलाई 2024 में अलग होने का हवाला देते हुए अलग हो गए जबकि को-पेरेंटिंग जारी रखी।

जैस्मिन वालिया

अलग होने के बाद हार्दिक का नाम ब्रिटिश-पंजाबी सिंगर जैस्मिन वालिया के साथ जुड़ा। ग्रीस वेकेशन की तस्वीरों और आईपीएल में आने से अफवाहें चरम पर थीं। 6-8 महीने का यह रिश्ता 2025 के बीच तक धीरे-धीरे खत्म हो गया।

माहिका शर्मा

हार्दिक का अब 24 साल की दिल्ली में जन्मी मॉडल-एक्ट्रेस माहिका शर्मा के साथ रिलेशन में है। माहिका ने मनीष मल्होत्रा के साथ काम किया है, और बादशाह और गुरु रंधावा के म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुकी है।

'मम्मा नाइट आउट...', बेटी सरायाह के जन्म के बाद कियारा आडवाणी की सोशल मीडिया पर वापसी; फैंस हुए एक्साइटेड

बेटी साराया के जन्म के बाद आज कियारा आडवाणी ने सोशल मीडिया पर अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। यह तस्वीरें कियारा की नाइट आउट की हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी बेटी साराया मल्होत्रा को जन्म देने के बाद पहली बार इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें पोस्ट की है। उन्होंने अपनी बेस्ट फ्रेंड के साथ नाइट आउट की स्टाइलिश फोटोज शेयर कीं। ये तस्वीरें उनकी शानदार वापसी का संकेत हैं। कियारा का पोस्ट कियारा ने इंस्टाग्राम पर नारंगी रंग की ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इस पोस्ट के साथ कियारा ने कैप्शन में लिखा, 'मम्माज नाइट आउट...'। कियारा की इन तस्वीरों पर उनके फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं।

फैंस के कमेंट्स

कियारा की इन तस्वीरों को देखकर उनके फैंस बहुत खुश हैं और कमेंट्स कर अपनी राय पेश कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'हमारी 'की' वापस आ गई', एक और फैन ने लिखा, 'साराया की प्यारी मम्मी', एक और फैन ने लिखा, 'वाह, पुरानी कियारा वापस लौट आई।' बेटी का नाम रखा सरायाह मल्होत्रा कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई 2025 को बेटी का स्वागत किया। उन्होंने बेटी के छोटे-छोटे ऊनी मोजों की फोटो शेयर कर नाम बताया- 'साराया मल्होत्रा'। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'हमारी प्रार्थनाओं से, हमारी गोद में, हमारी राजकुमारी साराया मल्होत्रा।' कियारा-सिद्धार्थ की लव स्टोरी कियारा और सिद्धार्थ पहली बार लस्ट स्टोरीज की पार्टी में मिले थे। साल 2021 में फिल्म शेरशाह में साथ काम किया, जहां उनकी केमिस्ट्री को बहुत पसंद किया गया। 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के जैसलमेर में शादी की। फैंस अब कियारा की आने वाली फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं। कथित तौर पर कियारा कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आ सकती हैं।

रोबोट ने सलमान खान से मिलाया हाथ, यूजर्स बोले- एआई भी भाईजान का फैन निकला

सलमान खान के स्वैग के फैंस दीवाने हैं। हाल ही में एक वीडियो अभिनेता का वायरल हुआ, जिसमें एक रोबोट उनसे हाथ मिला रहा है। यह वीडियो फैंस को खूब पसंद आया है। यूजर्स ने इस वीडियो पर रिएक्शन भी दिया है। हाल ही में सलमान खान आईएसपीएल के इवेंट में शामिल हुए। यह क्रिकेट से जुड़ा एक इवेंट था। इस इवेंट में स्टेज पर एक रोबोट भी मौजूद था। जिसने सलमान खान के साथ हाथ मिलाया। सलमान खान भी रोबोट के सिर को थपथपा दिखे। यह वीडियो सलमान के फैंस और यूजर्स को काफी पसंद आया है। रोबोट ने भाईजान से मिलाया हाथ, यूजर्स ने दिया रिएक्शन वायरल वीडियो में सलमान खान स्टेज पर खड़े थे, रोबोट उनके पास आकर हाथ मिलाता है। इस पर यूजर्स ने कमेंट किया, एआई भी भाईजान का फैन निकला। ऐसा ही एक कमेंट एक यूजर ने किया। जिसमें वह लिखता है, भाईजान के सामने इसका स्क्रू भी ढीला हो गया। कई यूजर्स ने हार्ट और फायर इमोजी सलमान खान के लिए शेयर किए। सलमान खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स सलमान खान के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले दिनों वह रियलिटी शो बिग बॉस 19 को होस्ट कर रहे थे। हाल ही में यह शो खत्म हुआ है। इसके अलावा एक फिल्म बैटल ऑफ गलवां भी वह कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान खान एक आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे।

विजयी संयोजन में बदलाव का जोखिम उठाएगा भारत

मुल्लांपुर। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में उतरेगी तो यह देखना दिलचस्प रहेगा कि विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन को तरजीह मिलेगी या जितेश शर्मा ही विकेट के पीछे भूमिका निभाएंगे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने पहले टी20 में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की और सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। अब टीम की नजरें सीरीज में बढ़त मजबूत करने पर टिकी होंगी। आमतौर पर भारतीय टीम विजयी संयोजन से छेड़छाड़ नहीं करती, इसलिए यह देखने लायक होगा कि दूसरे टी20 के लिए क्या भारतीय टीम प्रबंधन ये जोखिम उठाएगी? वापसी को यादगार नहीं बना सके गिल भारत ने पहले टी20 में वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, संजू सैमसन और हर्षित राणा को बाहर रखा था। इसमें सबसे ज्यादा हैरानी सैमसन को बाहर रखने पर हुई थी जिनकी जगह जितेश शर्मा को तरजीह दी गई। सैमसन कुछ समय पहले तक नियमित रूप से टी20 टीम का हिस्सा थे और अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज कर रहे थे, लेकिन शुभमन गिल के आने से उन्हें मध्य क्रम में बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा जहां वह सफल नहीं हुए। पहले टी20 से गिल ने चोट के बाद वापसी की,

एक फोन कॉल कर रुकवा दूंगा संघर्ष थाईलैंड-कंबोडिया की ताजा झड़प पर बोले ट्रंप

सुरिन (थाईलैंड)। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच सीमा पर रविवार से शुरू हुआ संघर्ष तेज हो गया है और गोलाबारी के कारण हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। दोनों दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की सेनाएं एक-दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगा रही हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने कहा कि वह एक फोन कॉल करके थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी संघर्ष को रोक देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह ताकत के दम पर शांति स्थापित कर रहे हैं। ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया कि उन्होंने दस महीनों के भीतर आठ संघर्ष खत्म करवाए हैं। इनमें कोसोवा-सर्बिया, भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा, ये देश आपस में भिड़ रहे थे। इस्राइल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया। आर्मेनिया और अजरबैजान। मुझे यह कहते हुए अच्छा नहीं लग रहा, लेकिन कंबोडिया और थाईलैंड ने आज फिर शुरूआत कर दी है। मैं एक फोन कॉल करूंगा और दो बहुत ताकतवर देशों थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी संघर्ष को

रोक दूंगा। वे फिर से लड़ रहे हैं। लेकिन मैं यह कर दूंगा। हम ताकत के दम पर शांति बना रहे हैं। थाईलैंड के सुरिन इलाके में मंगलवार को हालात और बिगड़ गए, जब कंबोडिया के ताकतवर नेता और सीनेट अध्यक्ष हुन सेन ने स्पष्ट कहा कि उनका देश थाईलैंड का मुकाबला करेगा। दोनों देशों के बीच दूसरे दिन भी गोलाबारी हुई, जिसकी वजह से सीमा से सटी बस्तियों से बड़ी संख्या में लोग पलायन कर रहे हैं। ताजा संघर्ष की शुरूआत रविवार को हुई, जब एक झड़प में दो थाई सैनिक घायल हुए। इसके साथ ही जुलाई में हुए संघर्ष को रोकने के लिए लागू शांति समझौता टूट गया। जुलाई के संघर्ष में दोनों तरफ कई लोगों की मौत हुई थी और एक लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा था। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने मंगलवार को कहा कि कंबोडिया ने अब तक बातचीत के लिए कोई संपर्क नहीं किया है और हालात ऐसे ही बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार पहले से तय सैन्य योजना पर ही काम करेगी और देश की संप्रभुता सुरक्षित रखने के लिए कदम उठाएगी। इधर, कंबोडिया के हुन सेन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनके देश ने सोमवार को जवाब नहीं दिया था, लेकिन रात में थाई हमलों के खिलाफ पलटवार शुरू किया। उन्होंने कहा कि कंबोडिया शांति चाहता है लेकिन अपनी जमीन की रक्षा के लिए लड़ने को मजबूर है। 2023 में पद छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री की कुर्सी उन्होंने अपने बेटे हुन मानेट को सौंप दी थी, लेकिन देश में वह आज भी प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। थाई सेना ने आरोप लगाया कि कंबोडिया ने मंगलवार को तोप, रॉकेट और ड्रोन से निशाना बनाया। थाईलैंड का कहना है कि रविवार और सोमवार को भी उस पर गोलीबारी की गई। दोनों दक्षिण पूर्व एशियाई देश दावा कर रहे हैं कि पहले हमला सामने वाले ने किया। कंबोडिया की सेना के मुताबिक, ताजा संघर्ष में सात नागरिक मारे गए और 20 घायल हुए हैं। वहीं थाई सेना का कहना है कि उनके तीन सैनिकों की मौत हुई है। थाईलैंड ने सोमवार को सीमा के पास हवाई हमले किए और कहा कि ऐसे अभियान तब तक जारी रहेंगे जब तक गोलाबारी बंद नहीं होती। ये भी पढ़ें: नाइजीरिया में आर्मी ने की प्रदर्शनकारी महिलाओं पर फायरिंग, 9 की मौत सीमा के दोनों ओर लोग घर छोड़कर पलायन कर रहे हैं। थाईलैंड के सुरिन शहर के एक विश्वविद्यालय में बने राहत शिविर में 3,600 से ज्यादा लोग ठहरे हुए हैं। कई लोग चटाइयों पर बैठे दिखे, कुछ ने छोटे तंबू लगाए। दोपहर के भोजन के लिए कतारें लगी रहीं और सेना का बैंड लोगों को तनाव से राहत देने के लिए संगीत बजाता रहा। एक किसान ने बताया कि गोलीबारी की आवाज सुनते ही वह बहुत डर गए और भाग निकले। थाई सेना ने बताया कि सीमावर्ती चार प्रांतों में करीब 500 अस्थायी शिविर बनाए गए हैं, जहां 1.25 लाख से ज्यादा लोग रह रहे हैं। उधर कंबोडिया के सूचना मंत्री ने कहा कि वहां भी लगभग 55 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है और संख्या लगातार बढ़ रही है।

केंटकी स्टेट यूनिवर्सिटी में गोलीबारी; एक की मौत और दूसरा गंभीर रूप से घायल

केंटकी। अमेरिका के केंटकी स्टेट यूनिवर्सिटी में गोलीबारी की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, इस वारदात में एक शख्स की मौत हो गई

है, जबकि एक शख्स गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। वहीं इस मामले में पुलिस ने संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। अमेरिका में केंटकी राज्य के स्टेट यूनिवर्सिटी में मंगलवार को गोलीबारी की वारदात में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हालत में अस्पताल में भर्ती है, जिसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। वहीं इस गोलीबारी की जानकारी मिलते ही फ्रैंकफर्ट पुलिस तुरंत यूनिवर्सिटी कैंपस पहुंची और हालात को काबू में लिया। पुलिस ने बताया कि मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल संदिग्ध की पहचान और हमले के कारणों के बारे में फिलहाल जानकारी साझा नहीं की गई है। गवर्नर एंडी बेशियर ने दी जानकारी वहीं केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि पुलिस मौके पर मौजूद है और संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने लिखा, 'हम सभी प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना करें। जैसे-जैसे जानकारी मिलेगी, उसे साझा किया जाएगा।' केंटकी स्टेट यूनिवर्सिटी हमले पर लोगों की प्रतिक्रिया वहीं सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस गोलीबारी की घटना पर चिंता जताई है। एक शख्स ने लिखा, केंटकी स्टेट यूनिवर्सिटी में गोलीबारी की घटना की खबरें आई हैं। मैं प्रार्थना कर रहा हूं कि सब ठीक हों। एक अन्य ने कहा, 'मेरे केंटकी स्टेट यूनिवर्सिटी के दोस्तों और परिवारों के लिए प्रार्थनाएं। कृपया इन छात्रों को अपने प्रार्थनाओं में रखें। ऐसा कभी नहीं होना चाहिए, ये भी किसी के बच्चे हैं!!!' जबकि एक व्यक्ति ने गवर्नर की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, 'सभी प्रभावितों के लिए प्रार्थनाएं।' कैंपस की सुरक्षा बढ़ाई गई, जांच में जुटी पुलिस फिलहाल कैंपस में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि गोलीबारी किस वजह से हुई और क्या हमलावर ने अकेले वारदात की थी। वहीं इस घटना के बाद विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और छात्रों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

राजमार्ग पर आपात लैंडिंग के दौरान कार से टकराया विमान

ऑरलैंडो (फ्लोरिडा)। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो के पास एक छोटा विमान आपात लैंडिंग के दौरान आई-95 राजमार्ग पर एक कार से टकरा गया। इस हादसे में महिला कार चालक घायल हो गई। विमान में सवार पायलट और यात्री सुरक्षित रहे। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो के पास सोमवार शाम को एक छोटे विमान ने अंतरराज्य राजमार्ग-95 (आई-95) पर आपातकालीन लैंडिंग की। इस दौरान विमान कार से टकरा गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ। ब्रेवर्ड काउंटी दमकल और बचाव सेवा के मुताबिक, विमान आई-95 राजमार्ग पर मील चिह्न 201 के पास दक्षिण दिशा में आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश कर रहा था, तभी वह एक कार से टकरा गा और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फॉक्स 13 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, विमान में दो लोग सवार थे। इनमें एक 27 वर्षीय पायलट और 27 वर्षीय यात्री शामिल थे। विमान फिक्स्ड विंग मल्टी-

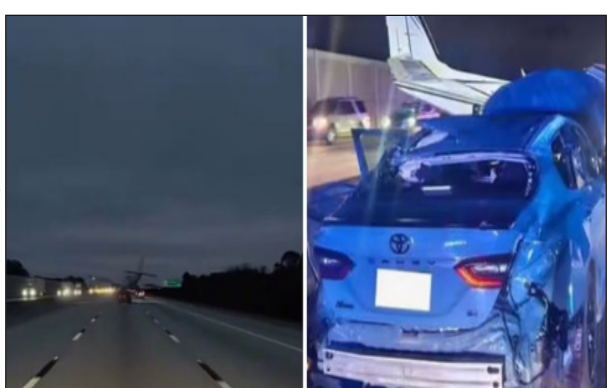

इंजन बीचक्राफ्ट 55 बताया जा रहा है। फ्लोरिडा राजमार्ग पुलिस के मुताबिक, पायलट और यात्री दोनों सुरक्षित रहे और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान टोयोटा कैमरी कार से टकराया, जिसे एक 57 वर्षीय महिला चला रही थी। इस टक्कर में वह घायल हुई और उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला को भी हल्की चोटें आई हैं। अमेरिका की विमानन निगरानी संस्था संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि पायलट ने विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले इंजन में समस्याओं की सूचना दी थी। इस घटना की जांच राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) कर रहा है। एनटीएसबी ने बताया कि विमान मेरिट आईलैंड से एक प्रशिक्षण उड़ान पर उड़ा था, लेकिन उड़ान के कुछ समय बाद दोनों इंजनों में शक्ति चली गई। पायलट को विमान को नजदीकी राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें विमान को कार से टकराते देखा जा सकता है।

नेपाल को खोखला कर रहा ड्रैगन पोखरा एयरपोर्ट घोटाले में रंगे मिले 'अपनों' के हाथ

काठमांडू। चीन की नजरें अब नेपाल पर है। ये बात तब साफ हो गई जब नेपाल के भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

निर्माण में 55 नेपाली अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर 74 मिलियन डॉलर की गड़बड़ी का आरोप लगाया। ऐसे में नेपाल में होने वाले आम चुनाव को लेकर जारी रस्साकशी के बीच सवाल ये खड़ा हो रहा है कि क्या ड्रैगन नेपाल को खोखला करनी तैयारी कर रहा है? नेपाल में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कारण है कि नेपाल के भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट निर्माण में 55 नेपाली अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर 74 मिलियन डॉलर की गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इसके साथ ही इन 55 अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर मामला भी दर्ज किया है। माना जा रहा है कि यह नेपाल में अब तक का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का मामला है। आयोग के अनुसार, सरकार और चीनी कंपनी ने निर्माण खर्चों में गड़बड़ी करके 74 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की रकम बढ़ा दी। इसके तहत 2012 में जो बिडिंग तय हुई थी, वह 169.6 मिलियन डॉलर थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 244 मिलियन डॉलर कर दिया गया। पोखरा एयरपोर्ट और चीन का संबंध, समझिए नेपाल के पोखरा एयरपोर्ट में चीन की भूमिका को ऐसे समझा जा सकता है कि पोखरा एयरपोर्ट चीन के एक्जिम बैंक के लोन पर बनाया गया था। यह शहर नेपाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों और ट्रेकिंग रूट्स की शुरूआत का केंद्र है, लेकिन 2023 में संचालन शुरू होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को आकर्षित नहीं कर सका। ऐसे में नेपाल में चीन की यह भूमिका नेपाल में बढ़ते आर्थिक और राजनीतिक दबाव की चिंता बढ़ा रही है। नेपाल में भ्रष्टाचार व्यापक है और सितंबर में युवाओं के नेतृत्व में बड़े विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिसमें दर्जनों लोगों की मौत हुई और सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। काठमांडू कोर्ट में होगी मामले की सुनवाई हालांकि अब मामले की सुनवाई विशेष अदालत काठमांडू में होगी, लेकिन नेपाल में कोर्ट केस अक्सर महीनों या वर्षों तक चल सकते हैं। गौरतलब है कि ये पूरा मामला तब सामने आया है जब नेपाल में मार्च 2025 में आम चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में यह मामला राजनीतिक हलचलों को भी प्रभावित कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की कंपनियों और निवेशों के जरिए नेपाल में भीतर से राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव बढ़ाने की रणनीति दिखाई दे रही है।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने महिला पत्रकार को किया भद्दा इशारा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी को महिला पत्रकार पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में भद्दा इशारा करने पर भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मानसिक रोगी और सेना के खिलाफ जहर फैलाने वाला बताया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी को व्यापक आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, जब एक महिला पत्रकार ने उनसे जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से जुड़ा सवाल किया, तो उन्होंने जवाब देते हुए पत्रकार की ओर गलत इशारा किया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखाया गया है कि अहमद शरीफ चौधरी, इमरान खान को 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा', 'राज्य विरोधी' और 'भारत की कठपुतली' बताते हैं। महिला पत्रकार अब्सा कोमल उनसे सवाल करती हैं कि यह अतीत से कैसे अलग है या हमें भविष्य में किसी बदलाव की उम्मीद रखनी चाहिए? चौधरी ने जवाब देते कहते हैं- चौथा बिंदु भी जोड़ें- वह (इमरान खान) जहनी मरीज (मानसिक रोगी) भी हैं। इसके बाद उन्होंने मुस्कराते हुए पत्रकार की ओर भद्दा इशारा किया। सोशल मीडिया पर इस पर प्रतिक्रियाएं सामने आईं। एक यूजर ने लिखा, यह सब कैमरे के सामने हो रहा है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खत्म हो गया। प्रधानमंत्री केवल एक कठपुतली हैं। जबकि दूसरे ने लिखा, यह एक राष्ट्र का मीम बन गया है। शुक्रवार को चौधरी ने इमरान खान को आत्ममुग्ध (नार्सिसिस्ट) बताया और कहा कि उनकी इतनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हो गई हैं कि उन्हें लगता है, अगर मैं सत्ता में नहीं हूं, तो कुछ भी नहीं होना चाहिए। हालांकि उन्होंने सीधे उनका नाम नहीं लिया। चौधरी ने कहा कि जो लोग इमरान खान से जेल में मिल रहे हैं, उनका इस्तेमाल 'सेना के खिलाफ जहर फैलाने' के लिए किया जा रहा है। चौधरी ने इमरान खान पर सेना के खिलाफ दुश्मनी भड़काने का आरोप लगाया।

संघर्षविराम के दूसरे चरण से पहले अड़ा हमास

येरुशलम। गाजा में फिर से मानवीय संकट गहरा सकता है, क्योंकि संघर्ष विराम के दूसरे चरण से पहले हमास अपनी शर्तों पर अड़ गया है। उसकी मांग है कि इस्राइस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाया जाए। गाजा में खाद्य सामग्री की कमी है और अस्पतालों में दवाइयां लगभग खत्म हैं। गाजा में जारी संघर्ष और अस्थायी युद्धविराम के बीच हमास ने मंगलवार को कहा कि जब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस्राइल पर और दबाव नहीं बढ़ाता, तब तक वह संघर्ष विराम समझौते के अगले चरण में आगे नहीं बढ़ेगा। हमास नेता हुसाम बदरान ने कहा कि जब तक पहली

चरण की सभी शर्तें लागू नहीं होतीं, जैसे कि बॉर्डर खोलना, हवाई हमले बंद करना और अधिक मानवीय सहायता गाजा में भेजना, तब तक अगला कदम संभव नहीं है। इस्राइल बोला- हम तैयार हैं, लेकिन शर्तें पूरी हों इस्राइली सरकार का कहना है कि वह अमेरिका की तरफ से बनाए गए 20-सूत्रीय संघर्ष विराम की योजना के अगले चरण पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। इस्राइल ने हमास से मांग की है कि वह गाजा में बचे आखिरी इस्राइली बंधक के शव को वापस करे, क्योंकि यह भी समझौते का हिस्सा है। हमास का आरोप-हमले जारी हैं, घरों को गिराया जा रहा वहीं हमास का दावा है कि संघर्ष विराम लागू होने के बावजूद इस्राइल हवाई हमले कर रहा है, फलस्तीनियों पर गोलीबारी कर रहा है और गाजा में घरों को तोड़ रहा है। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, 10 अक्तूबर के बाद से अब तक 376 फलस्तीनी इस्राइली हमलों में मारे जा चुके हैं। वहीं इसके जवाब में इस्राइल का कहना है कि उसने गोली उन लोगों पर चलाई जो सुरक्षा रेखा के पास आए और उनमें कई हमलावर थे। हालांकि रिपोर्टों में कहा गया है कि मारे गए लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। गाजा में गहरा मानवीय संकट संयुक्त राष्ट्र और राहत एजेंसियों का कहना है कि गाजा में राहत सामग्री बेहद कम मात्रा में पहुंच रही है। संघर्ष विराम के समझौते में हर दिन 600 ट्रक सहायता भेजने की बात थी, लेकिन पिछले एक महीने में औसतन सिर्फ 120 ट्रक ही पहुंचे। वहीं इस्राइल की एजेंसी सीओजीएटी का दावा है कि 600 से 800 ट्रक रोज जा रहे हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि बाजार में सामान महंगा है और आम लोगों की पहुंच से बाहर है। गाजा में खाद्य सामग्री की कमी है, प्रोटीनयुक्त खाना मुश्किल से मिल रहा है और अस्पतालों में दवाइयां लगभग खत्म हैं। इस्राइल ने घोषणा की है कि अब जॉर्डन-इस्राइल बॉर्डर क्रॉसिंग से भी सहायता भेजने की अनुमति देगा। नए शासकीय ढांचे की तैयारी और युद्ध का असर संघर्ष विराम समझौते के अनुसार, आने वाले महीनों में गाजा में नया अंतरराष्ट्रीय प्रशासन गठित किया जाएगा और अगले चरण में हमास को निरस्त्र किया जाएगा। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जैसे ही बचे हुए बंधक के अवशेष सौंपे जाते हैं, अगला चरण लागू हो सकता है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइल के हमलों में पिछले दो वर्षों में 70,300 से अधिक फलस्तीनी मारे गए, जिनमें लगभग आधा हिस्सा महिलाएं और बच्चे हैं। गाजा में युद्ध की शुरूआत 7 अक्तूबर 2023 को उस हमले के बाद हुई, जिसमें हमास ने इस्राइल में 1200 लोगों की हत्या की थी और 251 लोगों को बंधक बना लिया था।

कुपोषण, अवरुद्ध विकास से हर साल होती है 10 लाख बच्चों की मौत

नेटवर्क। कुपोषण, अवरुद्ध विकास और शारीरिक कमजोरी वैश्विक समस्या बनता जा रहा है। जिसके चलते हर साल लगभग 10 लाख बच्चों की जान जा रही है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2023 की ताजा रिपोर्ट इसके बारे में विश्न को चेताया है। कुपोषण, अवरुद्ध विकास और शारीरिक कमजोरी मिलकर हर साल लगभग 10 लाख बच्चों की जान ले रहे हैं। सबसे गहरा संकट उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में है, जहां पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मौतों में कुपोषण तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक जोखिम बन चुका है। दो दशकों की प्रगति के बावजूद विकास-अवरुद्धता बच्चों के स्वास्थ्य, भविष्य और मानव पूंजी पर खतरनाक असर डाल रही है। दुनिया को यह चेतावनी ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2023 की ताजा रिपोर्ट में दी गई है। यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय जर्नल द लैंसेट चाइल्ड ऐंड अडोलेसेंट हेल्थ में प्रकाशित हुई है। रिपोर्ट के अनुसार 2000 में विकास-असफलता के कारण 27.5 लाख बच्चों की मौतें दर्ज की गई थीं, जो 2023 में घटकर 8.8 लाख रह गईं। प्रगति के बावजूद कुपोषण अब भी पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु का तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक जोखिम है। सबसे अधिक 6.18 लाख मौतें उप-सहारा अफ्रीका में दर्ज हुईं। दक्षिण एशिया में यह संख्या 1.65 लाख रही। ठिगने बच्चों की संख्या बढ़ी रिपोर्ट यह भी बताती है कि दुनिया में ठिगने (स्टंटेड) बच्चों की संख्या पहले के अनुमानों से कहीं अधिक है और मामूली बीमारियां भी इनके लिए जानलेवा साबित होती हैं।2023 में पांच वर्ष से कम उम्र के लगभग 8 लाख बच्चे निमोनिया, मलेरिया, खसरा और डायरिया जैसी बीमारियों का शिकार होकर मौत के मुंह में समा गए। इन संक्रमणों से मरने वाले बच्चों का भारी हिस्सा कुपोषण से जूझ रहा था। उप-सहारा अफ्रीका में डायरिया से मरने वाले 77 फीसदी बच्चे कुपोषित थे, जबकि सांस संबंधी संक्रमणों में यह आंकड़ा 65 फीसदी रहा। स्वास्थ्य-पोषण नीतियों पर वैश्विक दबाव बढ़ा अध्ययन के सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठनों ने चेताया है कि कुपोषण, जलवायु परिवर्तन, भोजन की कमी और संघर्ष-ग्रस्त इलाकों की संयुक्त मार से बाल स्वास्थ्य वैश्विक नीति का अत्यंत संवेदनशील मुद्दा बन गया है। रिपोर्ट से जुड़े प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर डॉ. बॉबी राइनर का कहना है कि बच्चों में विकास-अवरुद्धता कई कारणों का परिणाम है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।